लखनऊ

बुधवार 21 मई 2025

वर्ष : 10 । अंक: 305

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

आज अध्ययन करना सब जानते हैं, पर क्या अध्ययन करना चाहिए यह कोई नहीं जानता। - जार्ज बर्नाड शॉ

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाएं नागरिक : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री। नायब सिंह सैनी ने आज पानीपत जिले के समालखा स्थित सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र परिसर में ऋषिकुलम् वेलनेस सेंटर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस केंद्र की सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने दैनिक जीवन में योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाकर एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना जिन उद्देश्यों को लेकर की गई थी, आज वे साकार होते प्रतीत हो रहे हैं। यह केंद्र न केवल ग्राम विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि हमारी सनातन परंपराओं और संस्कारों को और प्रगाढ़ कर रहा है। उन्होंने इस अवसर पर संस्था को 51 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज देश को दो चीजों की आवश्यकता है, पहली हमारी सीमाएं सुरक्षित हों और दूसरा हमारा शरीर स्वस्थ हो और यह केंद्र वेलनेस सेंटर के माध्यम से नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र में किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति प्रोत्साहित और जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक कीटनाशकों के अत्याधिक उपयोग से बचें और प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा साधना एवं ग्राम विकास केन्द्र में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त स्किल सेंटर संचालित किए जा रहे हैं, जहां लगभग 450 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और यह केंद्र उन्हें उस दिशा में मार्गदर्शन और साधन प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह संस्था को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना सक्रिय योगदान दें।

नहीं रहे परमाणु वैज्ञानिक एमआर श्रीनिवासन, 95 की उम्र में ली अंतिम सांस

चेन्नई। परमाणु वैज्ञानिक और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन का मंगलवार को तमिलनाडु के उधगमंडलम में निधन हो गया। वे 95 वर्ष के थे। भारत के सिविल न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम के प्रमुख वास्तुकार, डॉ. श्रीनिवासन ने परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) में करियर सितंबर 1955 से शुरू किया, जो पांच दशकों से भी ज्यादा चला। उन्होंने डॉ. होमी भाभा के साथ मिलकर भारत के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर अप्सरा के निर्माण में काम किया, जो अगस्त 1956 में शुरू हुआ था। 1959 में उन्हें देश के पहले परमाणु ऊर्जा स्टेशन के लिए प्रधान परियोजना इंजीनियर नियुक्त किया गया। 1967 में, उन्होंने मद्रास परमाणु ऊर्जा स्टेशन के मुख्य परियोजना इंजीनियर के रूप में जिम्मेदारी संभाली, जिसने भारत की आत्मनिर्भर परमाणु ऊर्जा क्षमताओं की नींव रखी। 1974 में वे डीएई के पावर प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग डिवीजन के निदेशक बने और एक दशक बाद न्यूक्लियर पावर बोर्ड के अध्यक्ष का पद संभाला। उनके नेतृत्व में देश ने अपने परमाणु बुनियादी ढांचे

अगर छेड़ोगे तो अपने अस्तित्व के लिए जूझोगे... योगी

आदित्यनाथ ने पाकिस्तान को दिया साफ संदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कासगंज जिले में 724 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना की ताकत की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत के वीर जवानों ने पाकिस्तान को धूल चटाई है। अगर हमारी सेना मजबूत नहीं होती तो पाकिस्तान जैसे दुश्मनों के सामने देश की जनता कैसे सुरक्षित रह पाती?

योगी ने दावा किया कि पाकिस्तान दुनिया से गुहार लगा रहा है कि एक बार उसे छोड़ दो। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों में सेना को आधुनिक और मजबूत बनाने का काम हुआ है। लगातार प्रयास किए गए हैं और यही वजह है कि भारतीय सेना किसी भी दुश्मन का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहती है। अगर दुश्मन कुछ करने की हिमाकत करता है तो भारतीय सेना उसके घर में घुसकर उसे मारने और तबाह करने की पूरी क्षमता रखती है। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि भारत ने बता दिया है कि अगर हमारे एक नागरिक को भी छेड़ोगे तो अपने अस्तित्व के लिए जूझोगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कासगंज पुलिस लाइन में पुलिस बैरक और एक सभागार का उद्घाटन और निरीक्षण किया। इससे पहले सोमवार को योगी आदित्यनाथ ने सहकारिता विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें छोटे और सीमांत किसानों को आसान और किफायती ऋण उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि सहकारिता के माध्यम से समृद्धि आएगी और 'मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना' के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना बनाने का आह्वान किया। उन्होंने सहकारी बैंकों की ऋण वितरण क्षमता को बढ़ाने और उनकी शाखाओं के आधुनिकीकरण का निर्देश दिया। सीएम योगी ने भंडारण क्षमता बढ़ाने और निजी निवेश को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया, जो सहकारिता नीति में महत्वपूर्ण सुधारों का संकेत देता है।

बांग्लादेशियों का अड्डा बने इलाके में फिर बुलडोजर एक्शन, अब 8 हजार अवैध निर्माण होंगे ध्वस्त

अहमदाबाद। बांग्लादेशियों का अड्डा बने अहमदाबाद में चंडोला तालाब के किनारे तीन दिन चलने वाले अवैध निर्माण हटाने के काम की शुरुआत हो गई है। इस दूसरे चरण में 50 बुलडोजर एवं नगर निगम की 50 टीमें 3,000 से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर लगभग 8,000 अवैध ढांचों को ध्वस्त करेंगी। इससे करीब 2.5 लाख वर्ग मीटर जमीन खाली होगी।

पहले चरण में 4,000 अवैध निर्माण हटाए गए थे, जिससे 1.5 लाख वर्ग मीटर जगह मिली थी। नगर निगम ने सर्वे के बाद 2010 से पहले से यहां रह रहे लोगों को वैकल्पिक आवास देने के लिए आवेदन पत्र वितरित किए हैं। पात्र लोगों को हटाए जाने पर नए आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

भाजपा का तंज, राहुल बोल रहे पाकिस्तान की भाषा, निशान-ए पाकिस्तान को लेकर पूछा चुभता सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कांग्रेस लगातार प्रश्न उठा रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेश मंत्री एस जयशंकर की टिप्पणी को आधार बनाकर सवाल दाग रहे हैं तो कई नेता सबूत की तलाश कर रहे हैं। भाजपा ने मुख्य विपक्षी दल के इस रवैए पर तंज कसा है। असम सरकार के मंत्री अशोक सिंघल के विवादित पोस्ट के बाद पार्टी की मीडिया सेल के प्रभारी अमित मालवीय ने भी कुछ सवाल पूछे हैं। अशोक सिंघल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने राहुल गांधी की तस्वीर को पाक आर्मी चीफ की तस्वीर के साथ जोड़कर शेयर किया। इस तस्वीर के आधे हिस्से में राहुल गांधी का चेहरा और आधे में पाकिस्तान आर्मी चीफ असीम मुनीर का चेहरा लगाया गया है। अशोक सिंघल ने अपने पोस्ट में लिखा, सीमाओं से अलग एजेंडे पर एक।

वहीं, भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने भी मंगलवार को सिलसिलेवार तरीके से एक्स पर कुछ पोस्ट डाले। एक कार्टून पोस्ट किया जिसमें पाक जनरल की पीठ पर खड़े होकर एक शख्स सरहद के पार देख गिराए गए रफेल की जानकारी मांग रहा है। इसके साथ ही मालवीय ने एक दूसरी पोस्ट में सिंघल वाली तस्वीर साझा कर लिखा- यह आश्चर्य की बात नहीं है कि राहुल गांधी पाकिस्तान और उसके हितैषियों की भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को ऑपरेशन सिंदूर के लिए बधाई नहीं दी, जो स्पष्ट रूप से भारत के प्रभुत्व को दर्शाता है। इसके बजाय, वे बार-बार पूछते हैं कि हमने कितने जेट खो दिए- एक सवाल जिसका जवाब पहले ही डीजीएमओ ब्रीफिंग में दे चुके हैं। मजे की बात यह है कि उन्होंने एक बार भी यह नहीं पूछा कि संघर्ष के दौरान कितने पाकिस्तानी जेट मार गिराए गए, या भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर बमबारी के दौरान कितने विमान अपने हैंगर में खड़े रहते हुए नष्ट हो गए।

इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस से चुभता सवाल पूछा कि क्या अब निशान-ए-पाकिस्तान राहुल गांधी को दिया जाएगा?

दरअसल, कांग्रेस ऑपरेशन सिंदूर को लेकर लगातार सवाल उठा रही है। हाल ही में सांसद राहुल गांधी ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के उस बयान को लेकर सवाल पूछे थे जिसमें विदेश मंत्री यह कह रहे हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत होने वाली एयर स्ट्राइक के बारे में पाकिस्तान को सूचना दी थी। हालांकि, राहुल के इन दावों पर 18 मई को विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के दावों का खंडन किया। कांग्रेस नेता ने एक्स पोस्ट पर भी अपनी बात रखी। इसके जवाब में भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने एक वीडियो पोस्ट किया था। राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा, 'राहुल गांधी की मूर्खता महज आकस्मिक नहीं है, यह भयावह है। वह पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं।' मालवीय ने भारत के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई के एक बयान का वीडियो साझा किया।

देश के इस राज्य में आ रहा है चक्रवाती तूफान, भारी बारिश के साथ बाढ़ और भूस्खलन की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। असम में मंगलवार को कई जिलों में मूसलाधार बारिश हुई। इस बीच मौसम विभाग ने सिक्किम में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसकी वजह से भारी बारिश से बाढ़, भूस्खलन और यात्रा में व्यवधान का खतरा पैदा हो सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण सिक्किम में तेज बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार से रविवार तक सिक्किम में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो सकती है। 20-25 मई तक सिक्किम के सभी जिलों में मूसलाधार बारिश की संभावना है। वहीं, 26 मई को भी ज्यादातर इलाकों में बारिश की उम्मीद है।

निचली अदालतों में जजों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, उम्मीदवारों के लिए तीन साल की प्रैक्टिस जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को निचली अदालतों में जजों की नियुक्ति पर फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि सभी उच्च न्यायालय और राज्य नियमों में संशोधन करेंगे, ताकि सिविल जज सीनियर डिवीजन के लिए विभागीय परीक्षा के जरिए 10 प्रतिशत पदोन्नति को बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया जाए।

साथ ही सर्वोच्च अदालत ने सिविल जज जूनियर डिवीजन परीक्षा में बैठने के लिए 3 साल की न्यूनतम प्रैक्टिस की आवश्यकता को बहाल किया है। इसके अलावा, राज्य सरकारें सिविल जज सीनियर डिवीजन के लिए सेवा नियमों में संशोधन करके इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, सभी राज्य सरकारें नियमों में

संशोधन करके यह सुनिश्चित करेंगी कि सिविल जज जूनियर डिवीजन के लिए परीक्षा में शामिल होने वाले किसी भी उम्मीदवार के पास कम से कम 3 साल की प्रैक्टिस का अनुभव होना चाहिए। इसे बार में 10 साल का अनुभव रखने वाले वकील द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, जजों के लिए लॉ क्लर्क के रूप में किए गए काम के समय को भी जोड़ा जाएगा। साथ ही जज चुने जाने के बाद अदालत में सुनवाई से पहले उन्हें एक साल का प्रशिक्षण लेना होगा। न्यूनतम प्रैक्टिस की आवश्यकता वहां लागू नहीं होगी, जहां उच्च न्यायालयों ने सिविल जज जूनियर डिवीजन की नियुक्ति प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है।

इसके साथ ही ऐसी भर्ती प्रक्रियाएं, जो इस मामले के लंबित रहने के कारण स्थगित रखी गई थीं, अब संशोधित नियमों के अनुसार होंगी।

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों की पेंशन को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से रिटायर्ड जजों के लिए 'वन रैंक, वन पेंशन' के आदेश दिए हैं। सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने यह फैसला सुनाया है।

सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने अपने फैसले में कहा, चाहे उनकी प्रारंभिक नियुक्ति का स्रोत कुछ भी हो, चाहे वह जिला न्यायपालिका से हो या वकीलों में से हो, उन्हें प्रति वर्ष न्यूनतम 13.65 लाख रुपए पेंशन दी जानी चाहिए।

'कर्नाटक में सभी पांच वादे पूरे किए', समर्पण-संकल्प रैली में राहुल गांधी ने भाजपा पर जमकर बोला हमला

विजयनगर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कर्नाटक के दौरे पर पहुंचे हैं। जहां विजयनगर हवाई अड्डे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने उन सभी का स्वागत किया। वहीं समर्पण-संकल्प रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'मुझे यह जानकारी मिली कि कर्नाटक में बहुत से लोग जमीन के मालिक हैं, लेकिन उनके पास जमीन के मालिकाना हक नहीं हैं। इसमें सभी समुदायों के लोग शामिल थे। उनके पास संपत्ति या मालिकाना हक नहीं था, और न ही उन्हें सरकार से कोई सुविधाएं मिल रही थीं।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि, 'मैंने इस मुद्दे को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सामने उठाया और कहा कि जो भी कर्नाटक में जमीन के मालिक हैं, उन्हें मालिकाना हक मिलना चाहिए। आज, कर्नाटक सरकार 1 लाख परिवारों को मालिकाना हक देने जा रही है।'

जमीन का डिजिटल रजिस्ट्रेशन हो: राहुल

राहुल गांधी ने यह भी कहा, '21वीं सदी में जमीन का डिजिटल रजिस्ट्रेशन होना चाहिए। राज्य के गरीब लोगों को हमारी गारंटियों का फायदा होने वाला है। मैंने यह भी कहा था कि 50,000 परिवारों के पास अभी भी मालिकाना हक नहीं है। हम चाहते हैं कि अगले 6 महीनों में उन परिवारों को भी मालिकाना हक मिले। 2,000 राजस्व गांवों का ऐलान किया गया है। हम चाहते हैं कि 500 और राजस्व गांवों का ऐलान किया जाए। कर्नाटक के सभी लोगों को उनका मालिकाना हक मिलना चाहिए।'

राहुल गांधी ने भाजपा पर साधा निशाना

राहुल ने कहा, 'कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बने दो साल हो गए हैं। हमने चुनावों में पांच गारंटियों का वादा किया था। बीजेपी और पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस इन गारंटियों को पूरा नहीं कर पाएगी। हमारी पहली गारंटी थी, 1 करोड़ महिलाओं को गृह लक्ष्मी योजना के तहत हर महीने 2,000 रुपये देना। कर्नाटक सरकार यह पैसा करोड़ों महिलाओं के खातों में डाल रही है। हमारी दूसरी गारंटी थी, 200 यूनिट मुफ्त बिजली हर परिवार को देना, जो कि करोड़ों परिवारों को दी जा रही है।'

पूरा पाकिस्तान भारत की सीमा में है 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सेना अधिकारी का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना के वायु रक्षा प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी कुन्हा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए कहा कि भारत के पास पूरे पाकिस्तान में किसी भी लक्ष्य पर सटीक हमले की क्षमता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चाहे पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय (जीएचक्यू) को रावलपिंडी से खैबर पख्तूनख्वा स्थानांतरित ही क्यों न किया जाए, पूरे पाकिस्तान की वायु सीमाएँ और उसके अंदरूनी भाग भारत के वर्जन (विजिलेंस) दायरे में हैं। जनरल डीकुन्हा ने एएनआई को दिए इंटरव्यू में बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हमलों ने पाकिस्तानी एयरबेसों को नष्ट करने के साथ उनकी रक्षा क्षमताओं को भंग कर दिया। भारत के पास न केवल सीमा पर बल्कि गहराई में जाकर भी लड़ने के पर्याप्त आयुध हैं, उन्होंने कहा। सबसे बड़े से लेकर सबसे छोटे लक्ष्य तक, पूरे पाकिस्तान की हवाई सीमाएँ हमारी निगरानी में हैं, और हम हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वायु रक्षा प्रमुख ने यह भी रेखांकित किया कि सशस्त्र बलों का प्रथम कर्तव्य अपने देश की संप्रभुता और नागरिकों की रक्षा करना है। हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी अपनी सीमाओं की रक्षा करना है, और इसमें हम किसी से पीछे नहीं हैं, उन्होंने कहा। जनरल डी कुन्हा ने यह भी बताया कि ऑपरेशन सिंदूर ने आधुनिक युद्ध तकनीकों के साथ-साथ पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल-सिस्टमों को बेअसर करने की भारतीय क्षमताओं को भी प्रदर्शित किया।

सीआईएसएफ की महिला अधिकारी ने रचा इतिहास, माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। सीआईएसएफ की महिला उप-निरीक्षक गीता समोटा ने इतिहास रच दिया है। गीता ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर सफल चढ़ाई कर दी है। ऐसा करने वाली वह सीआईएफएफ की पहली अधिकारी बन गई हैं।

राजस्थान के सीकर जिले स्थित चक गांव में जन्मी गीता की स्कूल और कॉलेजी की पढ़ाई स्थानीय संस्थानों में हुई। वह कॉलेज में हॉकी खेलती थी, लेकिन एक चोट के कारण उन्होंने खेल का सफर वहीं रोक दिया। 2011 में उनका चयन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में हुआ।

गीता के हौसले के आगे पस्त दुनिया

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में उन्हें पर्वतारोहण पाठ्यक्रम के लिए चयनित किया गया था। 2017 में उन्होंने पर्वतारोहण ट्रेनिंग पूरी कर ली और ऐसा करने वाली वह सीआईएसएफ की पहली और एकमात्र कर्मी बनीं।

अपने हौसले की बदौलत उन्होंने उत्तराखंड की माउंट सतोपंथ और नेपाल की माउंट लोबुचे पर भी सफलतापूर्वक चढ़ाई कर ली। सीएपीएफ के इतिहास में ऐसा करने वाली वो पहली महिला थीं। 2021 में माउंट एवरेस्ट के लिए निर्धारित सीएपीएफ अभियान में उनका चयन हुआ, लेकिन तकनीकी कारणों से इसे रद कर दिया गया।

कई अवॉर्ड से हुई हैं सम्मानित

गीता ने सातों महाद्वीप की सर्वोच्च चोटियों पर चढ़ाई करने को अपना लक्ष्य बनाया। 2022 की शुरुआत तक उन्होंने इनमें से 4 पर सफलतापूर्वक चढ़ाई भी कर ली। इसके लिए उन्होंने महज 6 महीने और 27 दिन का समय लिया। लद्दाख के रूपशु क्षेत्र में गीता ने 3 दिन में 5 चोटियों पर चढ़ाई की।

गीता को दिल्ली महिला आयोग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पुरस्कार 2023 और सिविल एविएशन मंत्रालय द्वारा गिविंग विंग्स टू ड्रीम्स अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। गीता की सफलता से प्रेरित होकर सीआईएसएफ माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए पर्वतारोहण दल भेजने दी की योजना बना रहा है।

गोंडा में एक लाख का इनामी बदमाश भूरे पुलिस एनकाउंटर में ढेर

आर्यावर्त क्रांति

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा में पुलिस ने एक लाख का इनामी बदमाश एनकाउंटर में मारा गया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बदमाश की घेराबंदी की। इसके बाद जवाबी फायरिंग में बदमाश की मौत हो गई।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार थाना उमरीबेगमगंज, थाना खोडारे पुलिस व एसओजी की संयुक्त कार्रवाई में एक लाख रुपये का इनामी शातिर बदमाश पुलिस मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। इसके कब्जे से एक अज्ञात मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट, एक अवैध पिस्टल .32 बोर मय खोखा कारतूस और एक अवैध तमंचा 315 बोर खोखा कारतूस बरामद किया गया। 24 अप्रैल की रात लगभग ढाई बजे थाना उमरीबेगमगंज क्षेत्र के रहने वाले देवीदीन (पुत्र पाटनदीन निवासी पूरे तिलक धन्नीपुरवा डिक्सिर) के घर में चोरी की गई थी। चोरी की घटना के दौरान घर के एक सदस्य जाग गए और बदमाशों को पकड़ने की कोशिश करने लगी। तभी उन्हें गोली मार दी गई। वादी देवीदीन की तहरीर पर थाना उमरीबेगमगंज में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए घटना के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक पश्चिमी की निगरानी में तीन टीमों का गठन किया गया था। इसके साथ प्रभारी एसओजी सर्विलांस भी टीम का हिस्सा बने। आठ मई की रात को एसओजी सर्विलांस तथा थाना उमरीबेगमगंज की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा तीन बदमाशों बृजेश उर्फ छोटू पासी, पल्लू पासी और नानमुन्ना लोध को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इस घटना में वांछित अभियुक्त सोनू पासी उर्फ भूरे फरार चल रहा था। इसकी गिरफ्तारी के लिए अपर पुलिस महानिदेशक, गोरखपुर जोन, गोरखपुर ने एक लाख का इनाम घोषित किया था। 19 मई की रात में थाना उमरीबेगमगंज, थाना खोड़ारे व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम अभियुक्त सोनू पासी उर्फ भूरे की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही थी। सूचना प्राप्त हुई कि उक्त मुकदमे का वांछित अभियुक्त सलोनी मोहम्मदपुर बंधा की तरफ मोटरसाइकिल से आ रहा है।

विकास कार्यों का सांसद किशोरी लाल ने किया लोकार्पण

» ओपन जिम व अधूरी सड़क पर दिए आश्वासन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। बल्दीराय विकास खंड के हलियापुर में मंगलवार को विकास कार्यों की एक बड़ी सौगात मिली। अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा ने क्षेत्र पंचायत निधि से 10 लाख रुपये की लागत से हुए साधन सहकारी समिति हलियापुर के जीर्णोद्धार तथा 40 लाख रुपये से बने श्री सिंहराय भालेसुल्तान खेल मैदान का विधिवत उद्घाटन किया। समाजसेवी प्रभात सिंह ने मंच से कई जनसमस्याओं को उठाया। उन्होंने मनरेगा के कार्यों का महीनों से लंबित भुगतान, बल्दीराय तहसील के टेरी के पास एक्सप्रेसवे पर कट निर्माण तथा प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत भवानीगढ़ से कांपा तक बन रही अधूरी सड़क को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि फरवरी 2024 की डेडलाइन बीत चुकी है, लेकिन सड़क अब तक अधूरी है। सांसद किशोरी लाल शर्मा ने आश्वासन दिया कि वे यह मुद्दा संसद में उठाएंगे और संबंधित परियोजना प्रबंधक से बात कर सड़क को जून माह के अंत तक पूरा करवाने का प्रयास करेंगे। इस दौरान श्री सिंहराय भाले सुल्तान इंटर कॉलेज के प्रबंधक डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने खेल मैदान में ओपन जिम की स्थापना की मांग रखी। जिस पर सांसद ने एक सप्ताह के भीतर ओपन जिम की व्यवस्था करवाने की घोषणा की। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह, बीडीओ राधेश्याम, एडीसीओ ज्ञानचंद्र यादव, राधेश्याम धोबी, विजय पासी, शंभूशरण सिंह, अजय सिंह, प्रधानगण योगेंद्र सिंह , देवेंद्र सिंह, दुर्गेश सिंह, हरिभान सिंह, ज्ञान प्रकाश शुक्ल, वेद प्रताप सिंह, मुदित सिंह, सोनू सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सेंट्रल मार्केट की अवैध बिल्डिंग तोड़ने का विरोध

मेरठ। मेरठ के शास्त्री नगर स्थित सेंट्रल मार्केट में अवैध बिल्डिंग के ध्वस्तीकरण के खिलाफ व्यापारियों ने विरोध शुरू कर दिया है। व्यापारियों ने सेंट्रल मार्केट और जागृति विहार को बंद कर बैठक की। इस दौरान संयुक्त व्यापार संघ के साथ अन्य व्यापार संघों के पदाधिकारी भी सड़को पर उतरे।

सोमवार को साप्ताहिक बंदी के बावजूद व्यापारियों ने बंद के लिए समर्थन जुटाया और जनसंपर्क किया। व्यापारियों का कहना है कि आरटीआई कार्यकर्ता लोकेश खुराना के व्यापारियों को ब्लैकमेल व उत्पीड़न करने के विरोध में वह सभी व्यापारिक संस्थान बंद रखने का फैसला लिया है। व्यापारियों ने जागृति विहार, शास्त्रीनगर के दुकानदारों से भी अपील की। इसके बाद सभी व्यापारी मंगलवार सुबह 10:30 बजे सेंट्रल मार्केट पहुंचे और हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक संपन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मेरठ। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक का आयोजन मंगलवार को अध्यक्षीय कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार, बीएसएनएल, शास्त्रीनगर द्वारा ऑनलाइन आयोजित किया गया। बैठक में मेरठ नगर में स्थित 40 सरकारी कार्यालयों, उपक्रमों, निगमों व संगठनों के कार्यालय प्रमुख और राजभाषा अधिकारियों ने ऑनलाइन सहभागिता की।बैठक की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष श्री अरुण कुमार सिंह ने किया। बैठक का संचालन नराकास सचिव मुकेश कुमार ने किया। बैठक की शुरुआत करते हुए नराकास सचिव मुकेश कुमार ने सभी सदस्य कार्यालयों को अवगत कराया कि राजभाषा के प्रचार और प्रसार के बारे में सरकार की नीति है कि सरकारी काम-काज में हिंदी को प्रेरणा, प्रोत्साहन और सद्भावना से बढाया जाए। राजभाषा नियम 1976 के नियम 12 के तहत केंद्र सरकार के प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रधान का यह उत्तरदायित्व है कि वह सुनिश्चित करें कि राजभाषा अधिनियमों और राजभाषा नियमों के अधीन जारी किये गए निर्देशों का समुचित अनुपालन हो। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष श्री अरुण कुमार सिंह ने सभी सदस्य कार्यालयों से कहा कि हम सभी को हिंदी का प्रयोग गर्व से करना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा कार्यालयीन कार्य राजभाषा हिंदी में करने के प्रयास करना चाहिए। बैठक में बीएसएनएल के वरिष्ठ महाप्रबंधक प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, जवाहर नवोदय विद्यालय के शिक्षक डॉ.आरसी पांडेय, अमित गौड़ कनिष्ठ राजभाषा अधिकारी, विमल कुमार गुप्ता, अवर दूर संचार अधिकारी व राकेश कुमार रावत कनिष्ठ हिंदी अनुवादक समेत सभी कार्यालयों के अधिकारियों ने भाग लिया।

यूपी में सगे भाइयों का कत्ल : दिवाली पर लगवाया था शुभकामनाओं का बैनर, इसलिए प्रधान ने साथियों संग मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। मथुरा के फरह थाना इलाके के गांव धर्मपुरा में नहर के पास रविवार की रात में दो सगे भाइयों को लाठी -डंडों सरियों से बुरी तरह पीटा गया। सूचना पर पहुंचे परिजन दोनों को आनन फानन अस्पताल ले गए जहां एक को तत्काल मृत घोषित कर दिया गया जबकि दूसरे युवक ने उपचार के दौरान कुछ देर बाद दम तोड़ दिया। परिजन ने उनकी हत्या का आरोप ग्राम प्रधान और उसके साथियों पर लगाया है। हालांकि पुलिस दोनों की मौत दुर्घटना में मान रही है। फिलहाल ग्राम प्रधान ताराचंद समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

क्षेत्र के गांव पीलूआ सादिकपुर के मजरा नगला बंजारा निवासी बच्चन सिंह ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ पिछले दो साल से गोवर्धन की छोटी परिक्रमा के पंचमुखी क्षेत्र में मकान बनाकर रहते हैं। रविवार की रात को उनके दोनों बेटे तिलक सिंह (35) और विनोद सिंह (33) गांव में पहुंचे थे। उनके घर में बिजली नहीं आ रही थी।

इस पर उन्होंने ग्राम प्रधान ताराचंद को फोन कॉल की और कहा कि वह लाइनमैन भेजकर उनके यहां बिजली चालू करा दें। लाइनमैन उनकी बात नहीं सुनता है। आरोप है कि इसी बात को लेकर प्रधान से उनकी कहासुनी हो गई और प्रधान ने उन्हें जान से मारने की धमकी दे डाली। घबराकर दोनों बेटे बाइक लेकर गांव से वापस गोवर्धन के लिए चल पड़े। आरोप है कि ग्राम प्रधान और उसके साथियों ने दोनों भाइयों को धर्मपुरा गांव की नहर के पास घेर लिया। यहां दोनों को लाठी, डंडे और सरियों से बुरी तरह पीटा। इधर, ग्रामीणों को जानकारी हुई तो वह बचाव के लिए दौड़े। ग्रामीणों को आता देख हमलावर भाग गए। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी परिजन को दी। सूचना पर आनन फानन परिजन मौके पर पहुंचे और दोनों को अस्पताल लेकर गए। यहां चिकित्सकों ने तिलक को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर हालत में विनोद को भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया। उपचार के दौरान देर रात विनोद ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों के युवकों के शवों का पैनल से पोस्टमार्टम कराया है। सीओ रिफाइनरी श्वेता वर्मा ने बताया कि जांच में प्रथम दृष्टया बाइक से गिरने के कारण दोनों युवकों की मौत होना प्रतीत हो रहा है। दोनों के पिता ने उनकी हत्या का आरोप लगाया है। ग्राम प्रधान ताराचंद समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दिवाली पर गांव में शुभकामनाओं के बैनर लगवाना दोनों भाइयों को भारी पड़ गया। चार साल से प्रधानी के चुनाव की तैयारी में जुटे राजू को लगा कि उसके दोनों भाइयों में से कोई उसके खिलाफ चुनाव लड़ेगा। यही कारण रहा कि उसने दिवाली पर ही एलान कर दिया था कि जिस दिन दोनों भाइयों में से कोई गांव में दिख गया उसे अच्छा सबक सिखाएगा।

फरह के गांव पीलुआ सादिकपुर के नगला बंजारा निवासी बच्चन सिंह ने बताया कि दिवाली पर उसके बेटे तिलक ने गांव में शुभकामनाओं के बैनर लगवाए थे। तिलक द्वारा लगवाए गए बैनर चार साल से प्रधानी की तैयारी कर रहे राजू को रास नहीं आया। उसे लगा कि तिलक या विनोद उसके खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। बस इसी को लेकर दोनों के परिवार के बीच में रंजिश हो गई। रंजिश इतनी बढ़ गई कि राजू ने एलान कर दिया कि दोनों भाइयों में से कोई गांव में दिख गया तो उसे अच्छा सबक सिखाएगा। बच्चन सिंह ने बताया कि राजू की धमकी के बाद उन्होंने गोवर्धन में मकान बना लिया और अपने दोनों बेटों के साथ रहने लगे। रविवार की रात को वह सो रहे थे, दोनों भाई गांव में आ गए। मामूली बात पर उनकी प्रधान से कहासुनी हुई और दोनों की हत्या कर दी।

सीओ रिफाइनरी श्वेता वर्मा ने बताया कि अभी तक की जांच में चुनावी रंजिश जैसा कोई मामला सामने नहीं आया है। मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही हत्या का राजफाश किया जाएगा।

राजस्थान में मेहंदी लगाने का कार्य करते थे दोनों भाई

पीड़ित बच्चन सिंह ने बताया कि विनोद और तिलक दोनों राजस्थान के जिला पाली में शादी विवाह में दुल्हनों के हाथों पर मेहंदी लगाने का कार्य करते थे। शादी का सीजन न होने के कारण दुकानदारी कम हो रही थी। इसलिए दोनों भाई गोवर्धन आए थे। रविवार की रात को दोनों बिना बताए ही अपने पैतृक गांव आ गए और ग्राम प्रधान से विवाद हो गया। बच्चन सिंह ने बताया कि उनका सबसे बड़ा बेटा साहब सिंह राजस्थान के जिला सिरोही में कपड़े की दुकान करता है। एक साथ दो जवान बेटों की मौत से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है।

पूरी रात दबिश देने में जुटी रही पुलिस

ग्राम प्रधान ताराचंद समेत अन्य नामजदों की गिरफ्तारी के लिए सीओ रिफाइनरी के नेतृत्व में थाना पुलिस पूरी रात दबिश देने में जुटी रही। सीओ रिफाइनरी ने बताया कि हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए दो टीमों का गठन किया है। जल्द ही पकड़े जाएंगे।

जेष्ठ माह के दूसरे मंगलवार क़ो हुआ शरबत वितरण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। सुल्तानपुर जिले की प्रशिद्ध ब्राह्मण संगठन परशुराम युवा वाहिनी मिशन परशुराम चैक रजि. के नगर पदाधिकारियों ने आज भगवान श्री परशुराम चैक पे शरबत बितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन का कार्यभार नगर अध्यक्ष पं अरविन्द राय और नगर कोषाध्यक्ष पं संजय शुक्ला ने किया। भगवान बजरंगबली और भगवान परशुराम जी के प्रतिमा पर फूल माला और धूप दीप जला कर आरती करके कार्यक्रम की शुरुआत किया गया। इसमें आर्थिक रूप से सहयोग करने वाले प्रेम शुक्ला, सुधीर दूबे, अभिषेक तिवारी फुलौने, अभिषेक तिवारी, राजीव पाण्डेय, प्रकृत तिवारी, धीरेन्द्र मोहन तिवारी, सत्यप्रकाश तिवारी, संतोष मिश्रा, आनंद पाण्डेय, एड.राकेश तिवारी, रमेश निषाद ने किया और शारीरिक योगदान, पं अरुण तिवारी सभासद, गौरव मिश्रा, दीपक मिश्रा, शनि मिश्रा, घनश्याम तिवारी, गोकरन तिवारी, दीपक पाण्डेय, शुभम दूबे लिट्टी चोखा वाले, सौरभ मिश्रा,व दर्जन भर बंधुओ ने की। इस अवसर पर हजारों भक्तो ने शरबत का रस पान कर आशीर्वाद प्रदान किया और तप्ती धूप मे शरबत पीकर लोगो के चेहरे खिल उठे और लोगो ने संगठन के द्वारा लगातार किये जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की।

बिना कार्य कराए 3.53 लाख का भुगतान, ग्राम प्रधान के अधिकार सीज

सुलतानपुर। धनपतगंज विकास खंड की भरसड़ा ग्राम पंचायत में इंटरलॉकिंग कार्य कराए बिना ही लाखों रुपये के भुगतान का मामला सामने आया है। इस घोटाले में ग्राम प्रधान शिवगोपाल यादव और पंचायत सचिव राजेश त्यागी पर गंभीर आरोप लगे हैं। जांच में आरोप सही पाए जाने पर जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने ग्राम प्रधान के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार तत्काल प्रभाव से सीज कर दिए हैं। वहीं पंचायत सचिव पर कार्रवाई के लिए जिला विकास अधिकारी को पत्र भेजा गया है।जानकारी के अनुसार,ग्राम पंचायत में पक्की सड़क से राम करन के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य कराया जाना था। लेकिन यह कार्य कराए बिना ही 17 फरवरी को 3.53 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया। इस अनियमितता की सूचना मिलने पर जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ल 20 फरवरी को मौके पर जांच के लिए पहुंचे। जांच में यह पाया गया कि निर्माण सामग्री तो मौजूद थी और कार्य

स्वामी प्रसाद मौर्य ने ऑपरेशन सिंदूर पर उठाया सवाल, बोले– पाकिस्तान में एक भी आतंकी नहीं मारा गया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में मंगलवार को अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य पहुंचे। यहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाया। कहा कि पाकिस्तान में एक भी आतंकवादी नहीं मारा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया तो बहुत खुशी हुई कि देर आए दुरुस्त आए। सोचा था कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों का खात्मा होगा। लेकिन, 24 घंटे के अंदर सब टांय-टांय फुस्स हो गया।

मौर्य ने आगे कहा कि बहनों का सम्मान करने की बजाय उनका अपमान किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर बहनों को धोखा दिया। ऐसी क्या बात थी कि 24 घंटे के अंदर बैकफुट पर आ गए। जबकि, एक भी आतंकवादी वहां पर घुसकर नहीं मारा गया। सारे आतंकवादियों का सफाया करने के बाद ही युद्ध बंद किया जाता।

सरकार को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने बहनों की आंखों में धूल झोंका है। देशवासियों के भी आंखों में धूल झोंका। यही भाजपा का चाल और चरित्र और चेहरा है। उसको अब हम जनता के बीच में बेनकाब करने जा रहे हैं। वहीं, संविधान का सम्मान भी जरूरी है। यदि 400 का आंकड़ा पार हो गया होता तो आज संविधान बदल दिया गया होता।

वन नेशन-वन इलेक्शन क्यों?

उन्होंने आगे कहा कि मैं देश के साथ-साथ अयोध्यावासियों को बधाई देता हूं, जिन्होंने 400 का आंकड़ा ना पार कराते हुए भाजपा को बैसाखी पर खड़ा कर दिया। प्रधानमंत्री नारा देते हैं, वन नेशन-वन इलेक्शन। मैं कहता हूं वन नेशन-वन इलेक्शन क्यों? अगर आवश्यकता ही है तो सबसे पहले वन नेशन-वन एजुकेशन होना चाहिए। शिक्षा समान होनी चाहिए। ताकि गरीब, अमीर, गांव, शहर छोटे-बड़े सबके बेटी और बेटे अच्छी शिक्षा और समान शिक्षा प्राप्त कर सकें।

चचिया ससुर के साथ भागी दो बच्चों की मां . . . परेशान पति ने किया ये बड़ा एलान ; पीड़ित ने खुद बताई पूरी कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। यूपी के इटावा जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। इटावा जिले में एक शख्स की पत्नी अपने चाचा ससुर के साथ फरार हो गई है। महिला अपने साथ दो बेटियों को भी लेकर गई है। पीड़ित पति ने पत्नी और बच्चों को ढूंढने वाले को 20 हजार रुपये का इनाम देने का एलान किया है।

उधर, एसएसपी के निर्देश पर ऊसराहार थाना पुलिस ने रविवार रात चचिया ससुर पर दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट को अपहरण में तरमीम (तब्दील) किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपी को खोजने के लिए सर्विलांस की मदद ली है। ताखा क्षेत्र में चचिया सुसर डेढ़ माह पहले बहू लेकर चला गया था।

ऊसराहार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित पति ने शनिवार को एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव को प्रार्थना पत्र देकर पत्नी की खोज कर आरोपी चचिया सुसर को पकड़ने की गुहार लगाई थी। एसएसपी ने आरोपी चचिया ससुर पर दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट को अपहरण में तरमीम करने के आदेश थानाध्यक्ष को दिए।

थानाध्यक्ष बलराम मिश्रा ने आरोपी चचिया सुसर पर बहू पर अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कर उसकी खोज तेज कर दी है। बता दें कि तीन अप्रैल को आरोपी चचिया ससुर नंदराम तीन बच्चों की मां को लेकर चलाया गया था।

इस मामले में पीड़ित पति की तहरीर पर तत्कालीन थानाध्यक्ष मंसूर अहमद ने चचिया ससुर के खिलाफ गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की थी। डेढ़ माह का समय बीत जाने के बाद आरोपी चचिया ससुर नंदराम क कोई सुराग नहीं लगा। उधर, पीड़ित पति का कहना है कि उसकी पत्नी घर वापस आ जाए तो वह उसे अभी भी घर पर रख लेगा। वहीं पुलिस ने भी पत्नी को खोजने के लिए दो टीमों को लगाया है। ऊसराहार थाना इलाके के एक गांव से डेढ़ माह पहले अपने चचिया ससुर नंदराम (45) के साथ 28 वर्षीय बहू गायब हो गई।

पति अपनी खुद की कार चलाता है तीन अप्रैल को वह जब कानपुर गया था तो उसी दौरान उसकी पत्नी अपनी आठ साल और दो साल की बेटी के साथ गायब हो गई। पति ने उस समय अपने पारिवारिक चाचा पर ही पत्नी को भगाकर ले जाने का आरोप लगाया था। उसने थाने में तीन अप्रैल को थानाध्यक्ष मंसूर अहमद को नामजद तहरीर भी दी थी लेकिन थानाध्यक्ष ने पीड़ित पति से तहरीर बदलवा कर पूरे मामले में गुमशुदगी दर्ज कर दी थी। तब से अब तक डेढ़ माह बीत गया है, लेकिन पीड़ित पति को पत्नी का कोई सुराग नहीं मिला है, पीड़ित पति ने पूरे मामले को लेकर 14 मई को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश श्रीवास्तव से भी शिकायत की। ऊसराहार थाने में अब थानाध्यक्ष भी बदल गए हैं नए थानाध्यक्ष बलराम मिश्रा ने पीड़ित को हर संभव मदद का भरोसा दिया है। थानाध्यक्ष ने पूरे मामले को लेकर पुलिस की टीमों को लगाया है, वहीं पीड़ित पति का कहना है कि बीते डेढ़ माह में उसे जिस जगह भी पत्नी के होने की सूचना मिली, वह उन सभी स्थानों पर गया, लेकिन खाली हाथ रहा। पत्नी को खोजने में वह अब तक करीब दो लाख रुपये खर्च कर चुका है।

पीड़ित पति अब भी पत्नी को साथ रखने के लिए तैयार

पीड़ित पति का कहना है कि उसे सबसे ज्यादा चिंता अपनी दो बेटियों की है, पता नहीं वो किस हाल में होंगी। यदि उसकी पत्नी अभी भी घर वापस लौट आए तो वह उसे खुशी-खुशी घर रखने के लिए तैयार है, पत्नी के लौटने से उसकी बेटियों का भविष्य बन जाएगा।

टैटू गुदवाना हराम. . . मुस्लिम लड़कियों को उलेमा ने दी ये नसीहत, बैंक में नौकरी को लेकर कह दी बड़ी बात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में जमीयत दावातुल मुस्लिमीन के संरक्षक व देवबंदी उलेमा मौलाना क़ारी इसहाक़ गोरा का एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल है। मौलाना के मुताबिक, शरीर पर टैटू गुदवाना हराम है।क़ारी इसहाक गोरा ने कहा कि आजकल हमारे समाज में ख़ास तौर पर लड़के ही नहीं, बल्कि लड़कियां भी शरीर पर टैटू (Tattoo) गुदवाने को फ़ैशन और तहज़ीब समझ रही हैं। हैरत की बात यह है कि न सिर्फ़ यह आम होता जा रहा है, बल्कि लोग इसे बुरा भी नहीं समझते, उल्टा इसे एक स्टेटस सिंबल मानने लगे हैं।

क़ारी गोरा ने कहा कि मुसलमान होने के नाते हमें याद रखना चाहिए कि इस्लाम में जिस्म पर टैटू गुदवाने की कोई इजाज़त नहीं है। यह अमल शरीअत की नज़र में हराम और नापसंदीदा है, क्योंकि यह अल्लाह की बनाई हुई फ़ितरी सूरत में तब्दीली करने जैसा है, जिसे क़ुरआन और हदीस में साफ़ तौर पर मना किया गया है।

जिन्होंने पहले से टैटू करवाया, वो हटवा लें

उन्होंने हदीस का हवाला देते हुए कहा कि हज़रत नबी करीम सा ने उन लोगों पर लानत फ़रमाई है जो जिस्म में नक़्श व निगार बनवाते हैं और अल्लाह की बनाई सूरत को बदलते हैं। उन्होंने कहा की जिन लोगों ने पहले से टैटू गुदवाए हैं, उन्हें फ़ौरन तौबा करनी चाहिए और जहां मुमकिन हो, उस टैटू को हटवाना चाहिए। और जो लोग यह इरादा रखते हैं कि आने वाले वक़्त में टैटू बनवाएँगे, उन्हें चाहिए कि इस इरादे से बाज़ आएं।

DJ बजाना शरीयत के खिलाफ

क़ारी इसहाक गोरा ने मुस्लिम समाज के युवाओं में बढ़ती शराब की लत, शादी ब्याह में DJ बजाने को भी शरीयत के खिलाफ बताया है। क़ारी इसहाक गोरा से एक सवाल पूछा गया कि क्या मुस्लिम समाज के लोग बैंक में नौकरी कर सकते हैं। इसपर जवाब देते हुए क़ारी इसहाक गोरा ने कहा कि इस्लाम में ब्याज के लेन देन पर मनाही है और बैंक का सारा पैसा ब्याज के लेन देन से ही आता है और शरीयत में ब्याज लेना देना दोनों ही हराम है। क़ारी इसहाक गोरा कहते हैं कि बैंक की नौकरी को लेकर दारुल उलूम से पहले भी फतवा जारी किया गया था।

बचपन में खोया, जवानी में लौटा. . .22 साल बाद लापता बेटे को देख रो पड़े घरवाले. . . कहां रह रहा था?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के निगोहां गांव में रामेश्वर उर्फ टिन्ना के घर पर रिश्तेदारों और ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा थी। हर चेहरा आश्चर्य और खुशी से भरा था। वजह भी खास थी—रामेश्वर का बेटा सोनू, जो 22 साल पहले दिल्ली में लापता हो गया था, अचानक अपने घर लौट आया था।

रामेश्वर अपनी पत्नी चंद्रकली, तीन बेटों और तीन बेटियों के साथ निगोहां गांव में रहते थे। मंझला बेटा सोनू जब 12 साल का था, तब वह अपने चाचा हरिश्चंद्र के साथ दिल्ली गया था। लेकिन कुछ ही दिनों बाद वह वहां से लापता हो गया। परिजनों ने दिल्ली जाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई, हर गली-कूचे में उसे ढूंढा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

साल दर साल बीतते गए। सोनू की तलाश धुंधली पड़ गई। माता-पिता ने मान लिया कि अब वह कभी नहीं लौटेगा। इस सदमे से पिता रामेश्वर बीमार रहने लगे और परिवार की जिंदगी गुमशुम सी हो गई।

अचानक एक दिन...

22 साल बाद गांव की गलियों में एक अजनबी युवक भटकता हुआ आया। वह एक खंडहरनुमा घर के सामने रुका और रोने लगा। जब ग्रामीणों ने कारण पूछा तो वह बोला, "यह मेरा घर है, मेरे मां-बाप कहां हैं?" उसने मां-पिता का नाम बताया तो लोग उसे पास के एक घर में ले गए, जहां अब रामेश्वर का परिवार रहता था।

पहचान से इनकार, पर यादों ने दिल छू लिया

रामेश्वर और चंद्रकली ने पहले युवक को पहचानने से इनकार कर दिया। सालों का अंतर, चेहरा बदल गया था। लेकिन जब सोनू ने अपने बचपन की वो बातें बताईं जो सिर्फ परिवार ही जान सकता है—मिट्टी की दीवार में छिपाया खिलौना, बहन शिल्पी के साथ खेलते वक्त टूटी चप्पल, मां के हाथों की खास खिचड़ी—तो मां-बाप फूट-फूटकर रो पड़े और बेटे को गले से लगा लिया।

गांव की मिट्टी ने पहचान वापस दिलाई

सोनू की वापसी से गांव में मानो चमत्कार हो गया। हर कोई भावुक था। किसी ने कहा, ई भगवान की माया है तो किसी ने कहा, मां-बाप की दुआ लौट आई है। सोनू के मुताबिक, वह दिल्ली से ट्रेन से मुंबई आ गया। यहां एक महिला जिसकी संतान नहीं था, उसने बेटे जैसा देखभाल किया। फिर उसने ड्राइविंग सीख ली और गाड़ी चलाने लगा। साल 2021 में उस महिला की मौत हो गई।

प्राइमरी के बाद अब माध्यमिक स्कूलों में गर्मी की छुट्टी, शिक्षामित्रों के बहिष्कार के बीच समर कैंप आज से

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के परिषदीय उच्च प्राथमिक व कंपोजिट विद्यालयों में कल 21 मई से समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। विभाग की ओर से इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी भी कर दिए गए हैं। किंतु शिक्षामित्रों ने सिर्फ उनकी ही ड्यूटी लगाए जाने का विरोध करते हुए इसके बहिष्कार की चेतावनी दी है।

विभाग की ओर से 21 मई से 10 जून तक समर कैंप का आयोजन किया जाना है। इसके लिए जारी निर्देश में सुबह 7 से 10 बजे तक कैंप का आयोजन करने को कहा गया है। इसमें शिक्षामित्र व अनुदेशकों की ड्यूटी लगाई गई है जबकि नियमित शिक्षक स्वेच्छा से इसमें शामिल हो सकते हैं। समर कैंप के लिए बच्चों के अभिभावकों से सहमति ली जाएगी। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

राज्य परियोजना निदेशक कंचन वर्मा की ओर से सभी बीएसए को भेजे आदेश में कहा गया है कि समर कैंप में बच्चों में सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों की समय विकसित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बच्चों को कुछ नया करके सीखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कक्षा छह से आठ के बच्चों के लिए ही कैंप का आयोजन किया जाएगा। इसमें तैनात शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को निर्धारित मानदेय दिया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा है कि समर कैंप के दौरान बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के प्रति बच्चों को जागरूक किया जाएगा। समर कैंप में योगदान देने वाले अनुदेशकों, शिक्षामित्रों व शिक्षकों को बीएसए प्रशस्ति पत्र भी देंगे। विभागीय अधिकारी समर कैंप के आयोजन व व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण भी करेंगे।

वहीं उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार शुक्ला ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को पत्र भेजकर कहा है कि शिक्षामित्रों को साल में एक बार ही छुट्टी मिलती है। वहीं भीषण गर्मी को देखते हुए जुलाई में समर कैंप का आयोजन किया जाए। जिन विद्यालयों में कैंप होना है, वहां की व्यवस्था के लिए प्रधानाध्यापक का होना सुनिश्चित किया जाए। शिक्षामित्रों की ड्यूटी अनिवार्य न करके स्वैच्छिक की जाए। ऐसा न करने पर वे कैंप का बहिष्कार करेंगे।

वहीं उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष योगेश त्यागी ने गर्मी में समर कैंप के आयोजन को अव्यवहारिक आदेश बताया है। इसके लिए सिर्फ अनुदेशक व शिक्षामित्र को लगाया जाना सही नहीं है। इसको स्थगित किया जाए।

दंपती शिक्षकों ने मांगा एक जिले में तबादला

बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित परिषदीय स्कूलों में तैनात दंपती शिक्षकों ने एक जिले में तबादले की मांग को लेकर निदेशालय के शिविर कार्यालय पर धरना दिया। धरने पर अलग अलग जनपदों से आए करीब 300 शिक्षकों ने कहा कि पति और पत्नी के अलग-अलग जिलों में होने की वजह से बच्चों और बुजर्ग माता पिता की देखभाल नहीं हो पा रही है। शिक्षकों की समस्या को देखते हुए स्कूल शिक्षा महानिदेशक कंचन वर्मा ने शिक्षकों से वार्ता की और आश्वासन दिया है कि 10 दिन में तबादले का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा। इसके बाद शिक्षकों ने दोपहर करीब दो बजे धरना खत्म कर दिया। शिक्षकों ने कहा कि 10 दिन में तबादला पॉलिसी नहीं आयी तो दोबारा अनिश्चित कालीन धरने के लिये बाध्य होंगे।

10 वर्षों से तबादले का इंतजार

शिक्षक रीना वर्मा ने कहा का कहना है कि प्रदेश भर के करीब 300 दंपती शिक्षक अलग-अलग जिलों में 10 वर्ष से अधिक समय से स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। अलग-अगल जिलों में होने की वजह से छोटे बच्चे और बुजुर्ग व बीमार माता पिता की देखभाल नहीं कर पा रहे हैं। नितिन शर्मा ने बताया कि बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से दो स्थानांतरण नीतियों में पति पत्नी सरकारी सेवा में होने पर भारांक कि व्यवस्था की गई, लेकिन शिक्षकों को इसका लाभ नहीं मिल सका।

सरकारी स्कूलों के दाखिले में 22 लाख की गिरावट चिंतनीय, मदरसों के प्रति नजरिया बदले सरकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सरकारी स्कूलों में होने वाले दाखिले में बच्चों की संख्या में गिरावट होना चिंता की बात है। सरकार को शिक्षा के महत्व व जरूरत पर उचित ध्यान देना चाहिए। वहीं, उन्होंने ये भी कहा कि सरकार मदरसों को लेकर अपना नजरिया बदले। उन्हें अवैध बताकर बंद करना अनुचित है।

उन्होंने सोशल साइट एक्स पर कहा कि यूपी के प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूलों में सन 2023-24 में 1.74 करोड़ दाखिले हुए किन्तु 2024-25 में मात्र 1.52 करोड़ अर्थात स्कूल दाखिला में लगभग 22 लाख की गिरावट सरकारी स्कूल व्यवस्था की ऐसी बदहाल स्थिति गंभीर व चिन्तनीय है। शिक्षा के महत्व व जरूरत पर सरकार का उचित ध्यान जरूरी है।

फिर भी सस्ती व सुलभ व्यवस्था के तहत मदरसों आदि की प्राइवेट व्यवस्था के विरुद्ध सरकार का रवैया सहयोग का होने के बजाय उन्हें अवैध बताकर बंद करने का होना बुनियादी शिक्षा की जरूरत को और कमजोर करने वाला गैर-जरूरी व अनुचित कदम है। निजी मदरसों के प्रति सरकार अपना रवैया बदले तो बेहतर होगा।

उन्होंने कहा कि वैसे तो सरकारी स्कूलों के हालात देश के अधिकतर राज्यों में काफी खराब हैं किन्तु यूपी व बिहार में यह अति-दयनीय होने से बहुजन गरीब परिवारों का बहुप्रतीक्षित विकास बाधित व इनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय होगा। ऐसे में स्कूल शिक्षा पर ध्यान देकर इन्हें बंद करने के बजाय प्रोत्साहन जरूरी है। बता दें कि अवैध तरीके से चल रहे मदरसों पर कार्रवाई करते हुए सरकार उन्हें बंद कर रही है और अतिक्रमण कर बनाई गई इमारतों को ढहा रही है।

गौकशी के मामलों में वांछित 25 हजार का इनामी शातिर अभियुक्त मो . अंसार उर्फ जलाल गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गौकशी के मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी शातिर अभियुक्त मो. अंसार उर्फ जलाल को बक्शी का तालाब थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों में गौहत्या से जुड़े कुल पांच आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार अंसार एक संगठित गिरोह का हिस्सा था जो लंबे समय से अवैध रूप से पशुवध कर मांस की बिक्री करता आ रहा था।पुलिस को कई महीनों से उसकी तलाश थी। बीती रात मुखबिर की सूचना पर थाना बक्शी का तालाब पुलिस ने उसे ग्राम अचरामऊ के पास अंडरपास सर्विस लेन से रात करीब 11:35 बजे गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने साथियों तौफीक उर्फ भुर्जी, अकलम, वकील और फुरकान के साथ मिलकर लंबे समय से गौवंश की हत्या कर मांस बेचकर जीवन यापन करता था। आरोपी के पास से 240 रुपये नकद भी बरामद किए गए।थाना बक्शी का तालाब पर दर्ज मुकदमा संख्या 276/2024, 121/2025 और 76/2025 के अलावा थाना गुडंबा में दर्ज केस संख्या 389/2015 सहित पांच मामलों में अंसार नामजद अभियुक्त है। इन मामलों में उसे पहले से वांछित घोषित किया गया था और उस पर 25 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित था।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान 38 वर्षीय मो. अंसार उर्फ जलाल पुत्र एहतीशाम, निवासी ग्राम अचरामऊ, बक्शी का तालाब, लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, 2010 से लेकर अब तक वह लगातार इस अपराध में संलिप्त रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त के बाकी साथी पहले ही गिरफ्तार होकर जेल भेजे जा चुके हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर अखिलेश यादव का हमला, कहा– भाजपा सरकार में इलाज नहीं, लाठीचार्ज मिल रहा है

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर एक बार फिर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा शासन के दौरान चिकित्सा सुविधाएं पूरी तरह चरमराई हुई हैं। अस्पतालों में इलाज की जगह दुर्व्यवहार, अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का बोलबाला है। मरीजों को न तो दवा मिल रही है, न जांचें हो रही हैं, और न ही कोई सुनवाई। सरकारी अस्पतालों से हताश होकर गरीब मरीज निजी अस्पतालों में लूट का शिकार हो रहे हैं।अखिलेश यादव ने कन्नौज की छिबरामऊ की घटना का ज़िक्र करते हुए कहा कि एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही से रूचि गुप्ता नाम की युवती की मौत हो गई। जब पीड़ित परिवार और स्थानीय लोग न्याय की मांग कर रहे थे तो भाजपा सरकार की पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सांसद सुब्रत पाठक, विधायक अर्चना पांडे और सरकार इस मामले में दोषियों को संरक्षण दे रहे हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश की स्थिति यह हो गई है कि कहीं अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, कहीं स्ट्रेचर और बेड नहीं हैं तो कहीं जरूरी जांचें महीनों से बंद पड़ी हैं। स्वास्थ्य विभाग इलाज और सेवा के लिए नहीं, बल्कि घोटालों और आगजनी की घटनाओं के लिए पहचाना जाने लगा है। उन्होंने कहा कि विभागीय मंत्री व्यवस्थाएं सुधारने के बजाय अपने निजी प्रचार और विवादित बयानों में व्यस्त रहते हैं। उन्हें आम जनता की तकलीफों से कोई सरोकार नहीं है।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने समाजवादी शासनकाल में बनी संस्थाओं को भी उपेक्षित कर दिया है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में जौनपुर, आजमगढ़, जालौन, कन्नौज जैसे जिलों में मेडिकल कॉलेज बनाए गए थे और लखनऊ में विश्वस्तरीय कैंसर संस्थान स्थापित किया गया था। लेकिन मौजूदा सरकार ने इन संस्थानों के रखरखाव और सेवाओं के लिए पर्याप्त बजट तक नहीं दिया, जिससे सुविधाएं बदहाल हो गई हैं।अपने बयान के अंत में अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता अब सब कुछ देख और समझ रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जनता स्वास्थ्य सेवाओं की यह दुर्दशा करने के लिए माफ नहीं करेगी और उसे करारा जवाब देगी।

निगोहां में नवविवाहिता ने की आत्महत्या, आठ माह की बच्ची को छोड़ दुनिया से गई लक्ष्मी

» लक्ष्मी (21), पत्नी संतोष रावत ने अपने घर के कमरे में छत से लगे पंखे के कुंडे में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के निगोहां थाना क्षेत्र स्थित ग्राम मीरकनगर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब सोमवार सुबह एक नवविवाहिता द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना सामने आई। लक्ष्मी (21), पत्नी संतोष रावत ने अपने घर के कमरे में छत से लगे पंखे के कुंडे में साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब साढ़े आठ बजे थाना निगोहां पर सूचना मिली कि ग्राम मीरकनगर निवासी एक महिला ने आत्महत्या कर ली है। सूचना पर उपनिरीक्षक अभिषेक कुमार अपनी टीम के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। वहां परिजनों द्वारा बताया गया कि मृतका को फंदे से उतारकर नीचे रखा गया है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव का पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मृतका लक्ष्मी की शादी पिछले वर्ष दिसंबर 2023 में हुई थी और उसकी आठ माह की एक मासूम बच्ची भी है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है। मृतका के मायके पक्ष को सूचना दे दी गई थी, जो मौके पर पहुंच चुका है। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है और सभी पहलुओं पर गंभीरता से पड़ताल की जा रही है।

"डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की प्रगति व समीक्षा बैठक

स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पीएसआई इंडिया व केनव्यू के सहयोग से चलाया जा रहा कार्यक्रम

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से जिले में चलाये जा रहे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की प्रगति और समीक्षा बैठक मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में हुई बैठक में पीएसआई इंडिया के सीनियर मैनेजर प्रोग्राम अनिल कुमार द्विवेदी ने कार्यक्रम सम्बन्धी गतिविधियों और प्रगति के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला।

इस मौके पर पीएसआई इंडिया के अनिल द्विवेदी व मो. रिजवान ने बताया कि पीएसआई इंडिया द्वारा जनपद मुरादाबाद में 72 स्थानों पर डायरिया से संबंधित दीवार लेखन किए जाने की योजना है। टीम द्वारा ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर छाया ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्रों का सहयोगात्मक निरीक्षण किया जा रहा है। ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर ओआरएस व जिंक कार्नर बनवाने का कार्य किया जा रहा है। जुलाई तक करीब एक हजार आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम व आशा संगिनी का डायरिया पर अभिमुखीकरण किया जाएगा। पम्पलेट आदि प्रचार सामग्री (आईईसी) का वितरण किया जायेगा और प्रचार वाहन का संचालन भी किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रचार-प्रसार व अभिमुखीकरण के लिए दिए गए सुझावों को कार्ययोजना में शामिल किया जाएगा।

बैठक में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस. के. बेलवाल ने कार्यक्रम को समुदाय तक पहुंचाने के लिए उठाये जाने वाली प्रमुख गतिविधियों पर प्रकाश डाला। जिला कार्यक्रम प्रबंधक रघुबीर सिंह ने बताया कि स्टॉप डायरिया कैंपेन में किस तरह से पीएसआई इंडिया द्वारा सहयोग किया जा रहा है और भविष्य में और किस तरह की गतिविधियों को संचालित किया जाएगा। बैठक में जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबन्धक चंद्रशेखर, जिला अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर प्रमोद कुमार, पीएसआई इंडिया की प्रोग्राम मैनेजर गीतिका, सभी ब्लॉक अधीक्षक, बीपीएम एवं बीसीपीएम के साथ ही शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

फर्जी दस्तावेज बनाकर एलडीए की जमीन बेचने वाला आरोपी गिरफ्तार, गोमतीनगर थाने में दर्ज था मुकदमा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की गोमतीनगर पुलिस ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की सार्वजनिक संपत्ति को फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेचने के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी उस आपराधिक प्रकरण से जुड़ी है जिसमें सरकारी संपत्ति को कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर अवैध रूप से हड़पने का गंभीर आरोप है।इस मामले में मूल शिकायत 2 मई 2023 को एलडीए के अनुभाग अधिकारी अशोक कुमार सक्सेना द्वारा गोमतीनगर थाने में दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि कुछ व्यक्तियों ने ट्रांसपोर्ट नगर योजना के अंतर्गत स्थित भूखंड संख्या एफ-480 को फर्जी और जाली दस्तावेजों के माध्यम से हड़पने की साजिश रची और एलडीए की संपत्ति को अवैध रूप से बेच दिया।

उत्तर प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन के प्रति प्रतिबद्ध

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि राज्य और केंद्र सरकार महिला खुशहाली के लिए नए द्वार खोल रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का स्वावलंबन और सशक्तिकरण सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है और इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं अब आत्मनिर्भर बन रही हैं और हर क्षेत्र में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बेटा-बेटी में कोई भेदभाव न करें और महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा दें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समूहों ने समाज में महिलाओं के प्रति विश्वास और सम्मान बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। इस योजना के तहत ग्रामीण गरीब महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों और संकुल स्तरीय संघों के रूप में संगठित कर आर्थिक सहायता दी जा रही है ताकि वे स्वावलंबी बन सकें। इस मिशन का उद्देश्य कम से कम एक महिला सदस्य को समूहों के माध्यम से जोड़कर उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है।मौर्य ने कहा कि राज्य में अब तक करोड़ों रुपये की वित्तीय सहायता स्वयं सहायता समूहों को दी जा चुकी है, जिससे हजारों महिलाएं कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों में अपनी आजीविका के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण कर रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक ऋण की सुविधा कम ब्याज दर पर उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे महिलाएं अपने व्यवसाय को बढ़ावा दे पा रही हैं।उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के नाम पर आवास प्रदान किए जा रहे हैं। यह पहल महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाएं समाज की आधारशिला हैं और उनके बिना परिवार, समाज और देश की कल्पना अधूरी है। इतिहास गवाह है कि महिलाएं हर क्षेत्र में अपने परचम लहरा चुकी हैं और देश की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रगति में बराबर की भागीदार हैं। सरकार की विभिन्न योजनाएं महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर काम कर रही हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने परिवार का गौरव बढ़ा सकें।

'पुराने बर्तन के बदले नए बर्तन' का झांसा देकर गहने ठगने वाला अंतरराज्यीय गिरोह पकड़ा गया, मोहनलालगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में महिलाओं को पुराने बर्तन के बदले नए बर्तन देने का झांसा देकर गहनों की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय टप्पेबाज गिरोह का खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में झारखंड निवासी एक महिला सहित पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चांदी जैसे दिखने वाले आभूषण, नकदी और अन्य सामग्री बरामद की गई है। यह गिरोह लखनऊ के अलावा रायबरेली, अमेठी, उन्नाव और कानपुर में भी ठगी की वारदातों को अंजाम दे चुका है।गिरफ्तारी की यह कार्रवाई एक पीड़िता की शिकायत के बाद शुरू हुई। ग्राम शिवढरा, थाना मोहनलालगंज निवासी नीलम नामक महिला ने 11 मई को थाने में तहरीर दी थी कि 1 मई को एक महिला उनके गांव में आई और पुराने बर्तन लेकर चली गई। अगले दिन वह नई सामग्री लेकर लौटी और ग्रामीण महिलाओं को विश्वास में लेते हुए टूटी-फूटी अंगूठी दे गई। तीसरे दिन, 4 मई को महिला फिर लौटी और कहा कि यदि महिलाएं अपने गहने दे दें तो उसकी कंपनी उन्हीं डिजाइनों के नए गहने बनाकर देगी और साथ ही पांच-पांच हजार रुपये भी देगी। ग्रामीण महिलाओं ने विश्वास कर अपने जेवर उसे दे दिए, लेकिन शाम तक न तो महिला लौटी और न ही गहने वापस हुए।थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 156/25 धारा 316(2)/303(2) बीएनएस के तहत मामले की जांच शुरू हुई और जल्द ही अन्य लगभग 10 महिलाओं ने भी इसी तरह की ठगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल दो टीमों का गठन कर जांच शुरू की और मुखबिर से मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए आज 20 मई को मोहनलालगंज क्षेत्र के खुजौली स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय के पास से पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान विनोदमल पहाड़ी, सेहवन मल्हार, मिथिलेश मल्हार, कारू मल्हार और प्यारी देवी के रूप में हुई है। ये सभी झारखंड के विभिन्न जिलों के निवासी हैं। पूछताछ में इन लोगों ने स्वीकार किया कि वे किसान पथ के किनारे गांवों में पहले रेकी करते थे और फिर फेरी लगाकर महिलाओं को ₹पुराने बर्तन के बदले नए बर्तन₹ देने का लालच देते थे। योजना के तहत पहले भरोसा जीतने के लिए सस्ती चीजें दी जाती थीं और फिर तीसरे चरण में गहनों की अदला-बदली के बहाने ठगी की जाती थी। इसके बाद गिरोह मौके से फरार हो जाता था और किसी नए इलाके में यही प्रक्रिया दोहराई जाती थी।पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से छह जोड़ी पायल, छह जोड़ी बिछिया, एक अंगूठी (सभी सफेद धातु के), तथा 5900 रुपये नकद बरामद किए हैं। बरामद किए गए जेवरात चांदी जैसे दिखने वाले नकली आभूषण हैं जिनका उपयोग भ्रम फैलाने में किया जाता था।गिरफ्तारी की इस कार्रवाई में वरिष्ठ उपनिरीक्षक यशवंत सिंह, उपनिरीक्षक संजय वर्मा, अजय कुमार सिंह, अंकित निगम, महिला उपनिरीक्षक मेघा तिवारी, हेड कांस्टेबल बच्चा लाल, कांस्टेबल दीपक बालियान, महिला कांस्टेबल आकांक्षा मिश्रा और साधना वर्मा की भूमिका सराहनीय रही।पुलिस ने सभी अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है और अन्य जनपदों में इनके अपराध की जानकारी जुटाई जा रही है।

नगर निगम लखनऊ की सख्त कार्यवाही : कोठारी बन्धु चौराहा से बुद्धेश्वर मंदिर तक अतिक्रमण हटाया गया

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा जोन-6 क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। जोनल अधिकारी मनोज यादव के नेतृत्व में कोठारी बन्धु चौराहा से बुद्धेश्वर मंदिर तक एवं आसपास के पेट्रोल पंप क्षेत्र में फैले अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर निगम की टीम ने प्रभावी कार्यवाही की। यह अभियान क्षेत्र में बाधित यातायात व्यवस्था को सुधारने और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से संचालित किया गया।अभियान के दौरान कुल 20 ठेले, 8 गुमटी, एवं 15 अस्थायी दुकानें हटाई गईं। इसके अतिरिक्त 3 ठेले, 1 काउंटर, 4 लोहे की बेंच, 3 स्टूल, 4 तराजू, 5 टायर, और 4 छाते जब्त कर निगम के गोदाम में सुरक्षित रखे गए।कार्यवाही के दौरान अतिक्रमणकर्ताओं को सख्त चेतावनी दी गई कि भविष्य में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण दोहराने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में की समीक्षा बैठक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने मंगलवार को डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, मोहान रोड, लखनऊ में विश्वविद्यालय की कोर कमेटी के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन्होंने विश्वविद्यालय की वित्तीय, शैक्षिक, प्रशासनिक एवं भौतिक विकास की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री कश्यप ने बीते पाँच वर्षों की शासकीय एवं आंतरिक स्रोतों से प्राप्त आय तथा व्यय की समीक्षा करते हुए कहा कि आय में वृद्धि कर विश्वविद्यालय दिव्यांगजन छात्रों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा सकता है। उन्होंने लंबित रिक्त पदों की जानकारी लेकर भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों की शीघ्र पूर्ति से शैक्षणिक गतिविधियों को गति मिलेगी और छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित होगी।उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयसीमा के पालन पर विशेष ध्यान देने को कहा। कृत्रिम अंग निर्माण, ब्रेल प्रेस तथा खेल सामग्री निर्माण जैसे केंद्रों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए इनके अधिकतम उपयोग और दिव्यांग छात्रों तक पहुँच सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।बैठक में दिव्यांग छात्रों द्वारा मांगी गई सुविधाओं पर हुई कार्यवाही, छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए बनाई गई रणनीति, संकायवार परीक्षा परिणामों की समीक्षा, विश्वविद्यालय और दिव्यांग छात्रों के बीच समन्वय प्रयास तथा भूमि विवाद की वर्तमान स्थिति पर भी गहन चर्चा हुई।मंत्री कश्यप ने कहा कि दिव्यांग छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रभावी जनसंपर्क, परामर्श एवं प्रवेश प्रोत्साहन कार्यक्रम चलाए जाएं ताकि अधिक से अधिक छात्र उच्च शिक्षा से जुड़ सकें।

भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा पोषित और प्रेषित आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर नृशंस हत्या की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने जहां पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर तबाह कर दिया वहीं, उससे पहले सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया है। भारत ने सिंधु जल संधि को ऐसे समय में निलंबित किया है जब पाकिस्तान पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में छह नई नहरें बनाने की योजना भी विवादों में फंसी है।

इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल समझौते के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ।

इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया। वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल का 80 फीसदी हिस्सा पाकिस्तान को आवंटित किया गया। समझौते में जिस तरह से जल का बंटवारा किया गया उससे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री और सरकार की रीति—नीति का समझा जा सकता है। पीएम नेहरू ने देशहित की बजाय पाकिस्तान के हितों का अधिक ध्यान रखा। यह संधि पाकिस्तान में कृषि और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए बहुत अहम है और पाकिस्तान में 80 प्रतिशत सिंचाई के पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों के पानी से होती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने जिन कड़े कदमों की घोषणा की उनमें यह सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। भारत द्वारा संधि को निलंबित करना इसकी स्थापना के बाद से पहली बार है, जो सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी जल कूटनीति में बदलाव का संकेत है। यह भारत के दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है।

2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं।" प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षाबलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बयान देते हुए कहा था, 'सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है।' अगस्त 2019 में भारत के तत्कालीन जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था, 'सिंधु जल संधि का उल्लंघन किए बिना पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिए काम शुरू हो गया है।'

भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल समझौते को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं, एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सय्यद अली मुर्तज़ा ने भारत को लिखी चिट्ठी में कहा, 'सिंधु जल समझौता स्थगित होने की वजह से पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।' पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 13 मई को कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को फिर से शुरू नहीं करता है और हमारी तरफ आने वाले पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो दोनों देशों के बीच लागू हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है। सिंधु जल संधि पर चर्चा के लिए पाकिस्तान की ये पेशकश उसकी छटपटाहट को साफ दिखा रही है। यह पहली बार नहीं था जब भारत सरकार ने 1960 में दोनों देशों के बीच हुई इस संधि में बदलाव की मांग की थी।

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती।

ललित गर्ग

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं। जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं । देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है।

जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विस्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए। अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है।

नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर वाणी असंयम एवं बिगड़े बोल में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी 'भारत विरोधी शक्तियां' एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता एवं लोकतांत्रित मूल्यों के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। उन्हें नेताओं के बिगड़े बोलों से ऊर्जा मिलती है। सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं का भविष्य भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर देश एवं दुनिया की नजरे टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे। "राजनीतिक सिस्टम" की रोग मुक्ति, स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं राजनीतिक चरित्र निर्माण के लिए नेताओं एवं उनके दलों को आचार संहिता से बांधना ही होगा।

अजब-गजब

कोबरा से आंख लड़ा रहा था बुजुर्ग, आगे का सीन देख रोंगटे खड़े हो जाएंगे

किंग कोबरा दुनिया का सबसे लंबा विषैला सांप है, जिसका जहर इतना शक्तिशाली होता है कि एक बार में 20 से 40 लोगों को मौत की नींद सुला दे। यह खतरनाक सांप 18 फीट (यानि 5.15 मीटर) तक लंबा हो सकता है। कल्पना कीजिए कि अगर यह सांप रेंगते हुए सामने दिख जाए, तो क्या होगा? जाहिर है, देखते ही हार्टबीट बढ़ जाएगी। पर दुनिया में कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिन्हें इन भयंकर सांपों से पंगा लेने में बड़ा मजा आता है। अब वायरल हो रहे इस वीडियो को ही देख लीजिए। हालांकि, अंजाम देख नेटिजन्स को रोंगटे खड़े हो गए।

वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि टेबल पर एक कोबरा फन फैलाए हुए है, और एक बुजुर्ग उसके ठीक सामने बैठा हुआ है। अगले ही पल बुजुर्ग भयानक सांप की आंखों में आंखें डालकर उसके साथ कुछ बतियाने लगता है। बगल में एक और बंदा मौजूद है, जिसके हाव-भाव को देखकर आपको लगेगा, जैसे वह मन ही मन कह रहा हो कि चचा तो आज गए काम से।

वीडियो में आप देखेंगे कि सांप से नजरे मिलाते-मिलाते बुजुर्ग अपने चेहरे को उसके करीब ले जाने लगता है। हालांकि, अगले ही पल जो कुछ भी हुआ उसे देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। कोबरा बड़ी फुर्ती से बुजुर्ग की बाईं आंख पर अटैक कर देता है। यहीं पर वीडियो खत्म हो जाता है।

इंस्टाग्राम हैंडल 17__saber से शेयर हुए इस वीडियो को अब तक लगभग 4 लाख लोगों ने लाइक किया है, जबकि कमेंट सेक्शन में लोग हैरान होकर लगातार अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दर्ज करा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, इसे कहते हैं आ बैल मुझे मार। दूसरे यूजर ने कहा, चचा जिंदा हैं या निकल लिए। एक अन्य यूजर ने लिखा, मौत से आंख लड़ाने का अंजाम!

डॉक्टर कोबरा नाम से फेमस है बुजुर्ग

वीडियो में दिख रहे शख्स की पहचान उज्बेकिस्तान के अलीशेर यार्मातोव के रूप में हुई है, जिन्हें सांपों के सुल्तान और डॉक्टर कोबरा नाम से भी जाना जाता है। वह उज्बेकिस्तान के नेशनल मेडिकल एसोसिएशन के मेंबर हैं, और उन्हें 20 वर्षों से अधिक का अनुभव है। अलीशेर बिल्कुल ठीक हैं। @doktorkobra_official नाम से उनका इंस्टाग्राम अकाउंट है, जहां वह आपने लगभग डेढ़ लाख फॉलोअर्स के साथ खतरनाक कोबरा संग ऐसे ही वीडियोज शेयर करते रहते हैं।

ब्लॉग

क्या कद्दावर कांग्रेसी नेता पी. चिदंबरम और शशि थरूर की परिवर्तित सियासी निष्ठा से भाजपा बनेगी अजेय?

कमलेश पांडे

दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा भले ही अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने में असमंजस के दौर से गुजर रही हो, लेकिन भारत राष्ट्र के प्रति उसके समर्पण का ही यह तकाजा है कि अब वह अजेय पार्टी बनने जा रही है, खासकर आम चुनाव 2029 में! और यदि ऐसा हुआ तो फिर भाजपा को हराना भारतीय विपक्षी पार्टियों और उनके तथाकथित इण्डिया गठबंधन के लिए बेहद मुश्किल हो जायेगा। दरअसल, यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ बल्कि दिग्गज कांग्रेस रणनीतिकार रहे पी चिदंबरम ने खुद कहा है। इसलिए सियासी हल्के में यह सवाल उठाया जा रहा कि क्या एक और कांग्रेस दिग्गज भी एक अन्य कांग्रेस दिग्गज शशि थरूर की राह पर चल रहे हैं, जो पहले से ही कांग्रेस लाइन से बे-लाइन चल रहे थे। क्योंकि उनके बयानों से तो यही जाहिर होता है कि वे कांग्रेस के वरिष्ठ राजनेता नहीं बल्कि बीजेपी के वरिष्ठ राजनेता हैं। ऐसा इसलिए कि अब चिदंबरम ने भी कुछ शशि थरूर जैसे ही बयान देने शुरू कर दिए हैं!

ऐसे में सवाल है कि कांग्रेस नेताओं के लिए यह महज संयोग है या फिर वैचारिक भूलभुलैय्या वाला कोई अभिनव प्रयोग! समझा जाता है कि सत्ता जाने के बाद बड़े नेताओं द्वारा इधर उधर गुंजाइश तलाशना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन जब गाँधी परिवार के विश्वासपात्र नेता ही ऐसा करने लगें तो राहुल-प्रियंका गाँधी का चिंतित होना स्वाभाविक है, जबकि वे दोनों बेफिक्र लग रहे हैं और इन बडबोले नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कांग्रेस में हो रहे पीढ़ी परिवर्तन से ये नेता अनफिट घोषित किए जा चुके हैं, इसलिए वो अपने-अपने बयानों से भाजपा को पटाने में जुटे हैं।

राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि थरूर की सहानुभूति से केरल भाजपा और चिदंबरम की दरियादिली से तमिलनाडु भाजपा को आशातीत बढ़त मिल सकती है। क्योंकि कांग्रेस के जो वफादार पुराने प्रहरी हैं उनमें से चिदंबरम-थरूर का नाम राजनीतिक हलकों में बड़ी ही साफगोई पूर्वक लिया जाता है। इसके एक नहीं, बल्कि सैकड़ों वजहें हैं। आखिर तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद भी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के जमाने से ही चिदंबरम कांग्रेस का झंडा मजबूती से पकड़े हुए हैं। हालाँकि कई बार उनके बयानों में भी कांग्रेस को कड़वी सच्चाई का सामना करना पड़ जाता है। वो भी बिलकुल वैसे ही कुछ करते हुए दिखाई दे जाते हैं, जैसे शशि थरूर करते रहते हैं। हालाँकि कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं की फितरत भी यही रहती है, लेकिन वो उतने बड़े और प्रभावी नहीं हैं, जितने कि ये दोनों।

अब ताजा मामला ही देखिए कि चिदम्बरम ने

पाकिस्तान वाले ऑप्रेशन सिंदूर के मसले पर भारत सरकार की पहले ही तारीफ की थी और अब इंडिया गठबंधन को भी जो सही आइना दिखाते हुए खरी खोटी सुना दी है, उसके अपने सियासी मायने हैं जिन्हें भुनाने में भाजपा और उसका राजग गठबंधन कतई पीछे नहीं रहेगा। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा सांसद चिदंबरम सलमान खुर्शीद और मृत्युंजय सिंह यादव की किताब 'कंटेस्टिंग डेमोक्रेटिक डेफिसिट' के विमोचन अवसर पर बोल रहे थे। इस किताब में, सलमान खुर्शीद और मृत्युंजय यादव ने पिछले साल के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के पुनरुद्धार के प्रयासों पर प्रकाश डाला है। उन्होंने बताया है कि कैसे कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा और विपक्षी दलों के साथ मिलकर इंडिया ब्लॉक का गठन किया, जिससे भारत में लोकतंत्र को बचाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक से जुड़े कुछ मुद्दे हैं, जिनका समाधान किया जाना चाहिए।

वहीं, इसी ऐन मौके पर चिदंबरम ने भी इंडिया गठबंधन को आईना दिखा दिया और साफ-साफ कह दिया कि ऐसा नहीं लगता कि इंडिया गठबंधन अब भी पूरी तरह से एकजुट है। यह लगभग बिखरता हुआ दिखाई देता है और इसका भविष्य उज्ज्वल नहीं दिखता। उन्होंने यहां तक कह दिया कि इंडिया ब्लॉक का भविष्य उतना उज्जवल नहीं है, जैसा कि मृत्युंजय यादव ने कहा। उन्हें लगता है कि गठबंधन अभी भी बरकरार है, लेकिन मुझे यकीन नहीं है। इसका उत्तर केवल सलमान खुर्शीद ही दे सकते हैं, क्योंकि वे इंडिया ब्लॉक के लिए वार्ता करने वाली टीम का हिस्सा थे। ऐसे में अगर गठबंधन पूरी तरह बरकरार रहता है, तो मुझे बहुत खुशी होगी। लेकिन आए दिन उजागर होने वाली कमजोरियों से पता चलता है कि गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि गठबंधन अभी भी बच सकता है। अभी भी समय है। वहीं, चतुर सियासी खिलाड़ी रहे चिदंबरम ने आखिरी में यह उम्मीद भी जता दी कि इंडिया गठबंधन को अब भी जोड़ा जा सकता है। अगर समय रहते इस पार काम हुआ तो कुछ हो सकता है।

समझा जा रहा है कि यह राहुल गाँधी की नेतृत्व क्षमता पर तो सवाल है ही, कांग्रेस के सहयोगी दलों के नेताओं की निष्ठा पर उससे भी बड़ा सवाल पैदा कर जाता है। इसलिए यह शब्द सुनकर शायद ही कांग्रेस आलाकमान और इस गठबंधन में मौजूद पार्टियों को अच्छा लगेगा। बता दें कि इससे पहले भी चिदंबरम ने एक अंग्रेजी दैनिक में अपने एक लेख में पीएम मोदी के नेतृत्व को सराहा और कहा कि सरकार ने सीमित सैन्य कार्रवाई का रास्ता चुनकर एक बड़ा युद्ध टाल दिया। भारत ने जो कार्रवाई की वो बेहद सीमित और सुनियोजित थी, जिसका उद्देश्य आतंकी संगठनों की बुनियादी ढांचे को नष्ट करना था। वहीं उन्होंने इस कार्रवाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समझदारी भरा कदम बताया है।

यही वजह है कि उनके इस परिवर्तित दृष्टिकोण ने कांग्रेस आलाकमान को सकते में डाल दिया है। कहने का तात्पर्य यह कि चिदंबरम ने महज एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार कांग्रेस की कोर टीम को अपने बयानों से बेचैन कर दिया है। लिहाजा राजनीतिक जानकार उनके बयान को बड़ी ही करीबी से देख रहे हैं, क्योंकि इससे पहले कांग्रेस के बड़े नेताओं में शशि थरूर ऐसा करते हुए पाए गए हैं। जो लंबे समय से पीएम मोदी के अंदाज के मुरीद रहे हैं। इसलिए अब देखना यह होगा कि चिदंबरम के बयानों के मायने क्या निकलकर आते हैं! हालाँकि फ़िलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि क्योंकि चिदंबरम कई बार अपने बयानों से चौंकाते रहे हैं। इस बार भी उन्होंने ऐसा ही किया है। ऐसा करके वो शायद अपने बेटे के लिए कोई बड़ी जिम्मेदारी चाहते हों। तमिलनाडु भाजपा को अभी ऐसे ही नेताओं के नेटवर्क की जरूरत भी है, ताकि दक्षिण भारत में भाजपा की पैर जमे!

वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम का भाजपा को लेकर यह कहना कि विपक्षी गठबंधन एक दुर्जेय मशीनरी के खिलाफ लड़ रहा है। उन्होंने भाजपा को लेकर भी विपक्षी गठबंधन को चेतावनी दी और साफगोई पूर्वक कहा कि विपक्षी गठबंधन एक दुर्जेय मशीनरी के खिलाफ लड़ रहा है, जिसे सभी मोर्चों पर लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे अनुभव और इतिहास के मेरे अध्ययन में, भाजपा जितनी मजबूत संगठित कोई राजनीतिक पार्टी नहीं रही है। यह सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि एक मशीनरी की तरह है, और इस मशीन के पीछे एक और मशीन है, जो चुनाव आयोग से लेकर देश के सबसे निचले पुलिस स्टेशन तक को नियंत्रित करती है और कभी-कभी उन पर कब्जा करने में सक्षम है। यह एक दुर्जेय मशीनरी है।'

केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने कहा कि चुनाव परिणामों ने दिखाया है कि कोई भी भारत में चुनावों को कमजोर नहीं कर सकता, जो अभी भी एक चुनावी लोकतंत्र है। आप भारत में चुनावों में हस्तक्षेप कर सकते हैं। आप उनमें छेड़छाड़ कर सकते हैं, लेकिन आप चुनावों से बच नहीं सकते। आप ऐसे चुनाव नहीं कर सकते जहां सत्ताधारी पार्टी 98 फीसदी वोट ले जाए। भारत में ऐसा संभव नहीं है। इसलिए कांग्रेस नेता चिदंबरम ने चेताया कि अगर 2029 का आम चुनाव भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से चला गया, तो फिर शायद लोकतंत्र को बचाना बहुत मुश्किल हो जाएगा। इसलिए 2029 के चुनाव महत्वपूर्ण हैं और हमें पूर्ण लोकतंत्र में वापस लाना चाहिए।

वहीं दिलचस्प बात तो यह भी है कि एक अन्य कांग्रेसी दिग्गज सलमान खुर्शीद ने चिदंबरम की बात पर सहमति जताई और स्पष्ट कहा कि हमें 2029 में एक बहुत बड़ी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा। इस बात पर विचार करना होगा कि गठबंधन के सहयोगियों को कैसे एक साथ लाया जाए। अगर विपक्षी दलों को चुनावी रुझानों में बड़ा उलटफेर करना है, तो उन्हें बड़े पैमाने पर सोचना होगा। केवल यह सोचने से बात नहीं बनेगी कि कौनसी पार्टी कितनी सीटों पर लड़ेगी और नतीजे आने के बाद क्या होगा। अगर हम ऐसा करते हैं तो हम देश में चुनावी रुझानों में बड़ा उलटफेर करने से चूक जाएंगे।

भाजपा के लिए यह शुभ घड़ी है कि अब विपक्षी नेता ही उसकी रणनीति को सराह रहे हैं। ऐसे में पार्टी की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। अब तो उसके नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चयन से ही पता चलेगा कि आत्ममुग्ध भाजपा का भविष्य का दांव-प्रतिदाव कैसा और कितना सार्थक होगा। शायद इसलिए कद्दावर कांग्रेसी नेता पी. चिदंबरम और शशि थरूर की परिवर्तित सियासी निष्ठा से भाजपा के अजेय होने की चर्चा जोर पकड़ चुकी है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से उसकी जनसाख भी बढ़ी है। मिशन 2029 में वह अभी से जुट गई है। जबकि बिहार विधानसभा चुनाव 2025, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 और उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से यह स्पष्ट हो जाएगा कि कथित इंडिया गठबंधन भाजपा नीत एनडीए को टक्कर दे पाएगा या नहीं!

'एक होंठ कटे थे...' नवजात बच्ची को गड्ढे में फेंक गईं दादी-नानी, कैसे बची जान?

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक नवजात बच्ची को उसकी ही दादी और नानी गड्ढे में फेंककर फरार हो गईं। हालांकि, अब नानी और उसके मां-बाप की पहचान हो गई है। नवजात का एक होंठ कटा था। बच्ची की पहचान होने के बाद पुलिस ने बच्ची के पिता को थाने बुलाया।

बच्ची को चाइल्ड हेल्प लाइन के सुपुर्द कर दिया गया है। आज उसको बाल कल्याण समिति के सामने पेश किया जाएगा। परिजन ने पुलिस को बताया कि बच्ची के कटे होंठ के कारण वह डर गए थे। उनके पास इलाज कराने के लिए इतने पैसे भी नही थे, जो वह उसका इलाज करवा पाते। हालांकि उपरोक्त घटना की जानकारी बच्ची के पिता को नहीं हो

पाई थी।

बच्ची को अस्पताल में कराया गया भर्ती

दरअसल, सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला दिलाजाक निवासी असद की गर्भवती पत्नी सदफ को कई दिन पहले राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कराया था। जहां महिला ने एक बेटी को जन्म दिया था। नवजात बच्ची का एक होंठ कटा हुआ था। यह देखकर परिवार के लोग बर्दाश्त नहीं कर पाए। सोमवार को महिला की छुट्टी कराने से पहले नवजात-बच्ची की नानी और दादी उस बच्ची को एक झोले में डालकर गर्रा नदी किनारे निर्माणाधीन नगर निगम कार्यालय की बिल्डिंग के पास एक गड्ढे में डाल गई।

मजदूरों ने देखने के बाद पुलिस को सूचना दी। तब तक महिलाएं भाग गई थीं। उसके बाद पुलिस ने बच्ची को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया था। जहां उसकी हालत अब खतरे से बाहर है। पुलिस ने अस्पताल में जानकारी जुटाने के बाद उसके पिता को थाने बुलाया।

बेटी के एक होंठ कटे थे

पिता ने कहा कि जन्म के बाद बेटी का एक होंठ कटा था। उसके पास इतने पैसे नहीं थे, जिससे वह इलाज करा पाते। फिलहाल पुलिस ने बच्ची को चाइल्ड हेल्प लाइन सुपुर्द कर दिया है। बच्ची के परिजन की काउंसलिंग की जा रही है। उसके बाद बच्ची उनके सुपुर्द की जाएगी। वहीं, चाइल्ड हेल्प लाइन प्रभारी ने बताया कि मंगलवार को बच्ची को बाल कल्याण समिति के सामने पेश किया जाएगा। आगे जो निर्णय होगा उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

दोनों हाथ मरोड़कर तोड़े...उठाकर भी पटका, बस्ती में पांच साल की मासूम को अगवा कर हैवानियत

आर्यावर्त संवाददाता

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में पांच साल की मासूम को अगवा कर हैवानियत के बाद उसका गला घोंट कर हत्या कर दी गई। रविवार देर रात मासूम का शव गांव के बाहर कब्रिस्तान के पास मिला। शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे।

मासूम के पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी समेत पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने जांच के दौरान 20 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की है।

जानकारी के अनुसार, पांच वर्षीय मासूम पास के ही एक स्कूल में कक्षा एक की छात्रा थी। रविवार दिन में उसकी दादी किसी के घर गई थीं। दोपहर करीब दो बजे बच्ची उन्हें खोजते हुए घर से निकली। काफी देर बाद भी जब वह नहीं लौटी तो घरवालों ने तलाश शुरू की।

रात करीब आठ बजे तक तलाश के बाद भी बच्ची का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने लालगंज थाने में सूचना दी। मासूम के लापता होने की सूचना पर थाना प्रभारी लालगंज शशांक शेखर राय टीम के साथ गांव पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से खोजबीन शुरू की।

देर रात एसपी अभिनंदन भी एएसपी ओपी सिंह, सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण तिवारी, सीओ रुधौली स्वर्णिमा सिंह, सीओ कलवारी प्रदीप कुमार, मुंडेरवा व कलवारी थाने की पुलिस लेकर गांव पहुंच गए। तलाश के दौरान रात करीब 12 बजे गांव के बाहर स्थित कब्रिस्तान के पास झाड़ियों में मासूम का शव मिला।

रविवार को दोपहर मासूम के गांव में रेडीमेड कपड़े बेचने एक फेरी वाला आया था। मासूम के पिता ने भी अपने लिए बनियान खरीदी। मोहल्ले के कुछ बच्चे फ्रॉक और घाघरा खरीद रहे थे। मासूम ने भी अपने पिता से घाघरा खरीदने के लिए कहा। उसके पिता ने कहा कि जाओ दादी को ढूंढ़कर लाओ, वह अगर पैसा दे देंगी तो तुम्हारे लिए घाघरा खरीद दूंगा।

मासूम दौड़ते हुए गांव में दादी को ढूंढ़ने निकली मगर लौटकर नहीं आई। मासूम के पिता ने बताया कि उसकी बेटी का गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक में इसी साल दाखिला हुआ था। पिता के मुताबिक, उसकी दोनों किडनी खराब है और चिकित्सालय संतकबीरनगर से उसका इलाज चल रहा है। मृतका का एक बड़ा भाई सात वर्ष का और छोटी बहन छह माह की है।

मां ही पूरे परिवार की देखभाल करती हैं। पिता की बीमारी और परिवार चलाने के लिए रुपयों का इंतजाम बड़ी मुश्किल से हो पाता है। इसलिए घर की माली हालत बेहद खराब है। तबीयत ठीक रहती थी तो पिता मेहनत मजदूरी कर लेता था। मगर, किडनी की बीमारी से वह भी लाचार होकर घर बैठा है।

24 घंटे में बने दो विश्व रिकॉर्ड, गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान ऐसा क्या हुआ?

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। सोमवार का दिन यूपी के बड़ा ही विशेष रहा. यहां 24 घटें में दो विश्व रिकार्ड बने. दरअसल, इस समय राज्य में गंगा एक्सप्रेसवे का काम बहुत तेजी से किया जा रहा है। ये गंगा एक्सप्रेसवे राज्य के मेरठ से शुरू होगा और तीर्थों के राजा प्रयागराज में खत्म होगा। गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान ही दो विश्व रिकॉर्ड बने हैं। ये एक्सप्रेसवे 594 किलोमीटर का और 6 लेन का है। इसका काम दिन-रात लगातार किया जा रहा है।

बीते 18 मई को इस परियोजना के तहत हरदोई-उन्नाव खंड में 24 घंटे में जो निर्माण काम किया गया, उसने न सिर्फ भारत बल्कि पूरे विश्व में रिकॉर्ड बना दिया। गंगा एक्सप्रेसवे के पैकेज-3 (हरदोईउन्नाव प्रभाग) के अंतर्गत एक दिन में 34।24 लेन किलोमीटर बिटुमिनस कंक्रीट बिछाई गई। इस दौरान 20,105 घन मीटर

बिटुमिनस मिक्स का उपयोग करके हुए 1,71,210 वर्ग मीटर सड़क बिछाई गई।

'सितारे जमीन पर' ही नहीं, इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में आमिर खान, जिस फिल्ममेकर से मिला रहे हाथ उसके साथ दी है 1000 करोड़ी फिल्म

10 किलोमीटर थ्राई-बीम क्रैश बैरियर लगाए गए

इससे पहले गाजियाबाद-अलीगढ़ एक्सप्रेसवे पर 27 लेन किलोमीटर का रिकॉर्ड साल 2023 में बनाया गया था। इसी 24 घंटे की अवधि में हरदोई-उन्नाव खंड में 10 किलोमीटर थ्राई-बीम क्रैश बैरियर लगाए गए। यह भी अब तक का विश्व रिकॉर्ड है। बता दें कि थ्राई-बीम क्रैश बैरियर हादसा होने के समय वाहनों को सुरक्षित रखते में मददगार साबित होता है। दुनिया की तीन प्रमुख रिकॉर्ड संस्थाएं गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने इन दोनों विश्व रिकॉर्ड के संदर्भ में प्रमाण पत्र जारी किए।

गौरतलब है कि उत्तर गंगा एक्सप्रेसवे का काम नवंबर 2025 तक पूरा कर देने का लक्ष्य रखा गया है। इस बनाने में 36,230 करोड़ रुपयों का खर्च आ रहा है। अब तक 430 किलोमीटर एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जा चुका है।

जिलाधिकारी ने किया पीडब्लूडी द्वारा निर्मित एवं निर्माणधीन सड़कों का औचक निरीक्षण

बलरामपुर। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल द्वारा तहसील तुलसीपुर में पीडब्लूडी प्रांतीय खंड द्वारा 02 निर्मित एवं निर्माणाधीन सड़क कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। डीएम ने हरैया चौधरीडीह मार्ग से संगीतपुर मार्ग के पुनर्निर्माण एवं नन्दमहरा-पिपरहवा- कौवापुर मार्ग के संचालित चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य का औचक निरीक्षण किया गया। हरैया चौधरीडीह मार्ग से संगीतपुर मार्ग के पुनर्निर्माण के पूर्ण कार्य का डीएम ने खुदाई कराकर गुणवत्ता परखी एवं निर्माण सामग्री का सैंपल कलेक्ट करा लैब में जांच कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने मार्ग पर पुलिया निर्माण का भी निरीक्षण किया , पुलिया निर्माण में प्रयुक्त ईट की गुणवत्ता चेक कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने मार्ग पर परियोजना का बोर्ड लगा न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की एवं तत्काल परियोजना का बोर्ड लगाए जाने का निर्देश दिया।

नायक के अनिल कपूर बने यूपी के मंत्री जी... ऑन द स्पॉट कर दिया दो अधिकारियों को सस्पेंड

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण बॉलीवुड फिल्म के नायक के हीरो अनिल कपूर के स्टाइल में नजर आए। वो रामनगर पीजी कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम के बाद जब समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण कॉलेज परिसर स्थित समाज कल्याण विभाग के हॉस्टल का इंस्पेक्शन करने पहुंचे तो वहां भ्रष्टाचार की परतें खुलने लगीं।

मंत्री ने पांच लाख रुपये के रख-रखाव और रंग-रोगन कार्य का जायजा लिया तो उन्हें गड़बड़ियां नजर आईं। मंत्री जी ने मौके पर ही खर्च का हिसाब-किताब मांगा लेकिन मौजूद अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। जब अधिकारी केवल बिजली के तार और मामूली पुताई दिखाकर बात टालने लगे तो मंत्री

गुस्से से लाल हो गए। मंत्री ने वहीं मौके पर ही 'नायक स्टाइल' में ऐलान कर दिया कि समाज कल्याण अधिकारी और छात्रावास अधीक्षक तत्काल प्रभाव से निलंबित!

यह कोई दिखावटी बयान नहीं था, बल्कि पूरी कार्रवाई कैमरे में रिकॉर्ड हुई। मंत्री असीम अरुण ने मामले को लेकर रविवार शाम ही अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार। आज बाराबंकी स्थित रामनगर पी.जी। कॉलेज में संचालित छात्रावास का निरीक्षण कर पाया कि मरम्मत हेतु आवंटित 5 लाख के सापेक्ष कार्य बेहद कम हुआ है।

उन्होंने आगे लिखा कि इसमें संलिप्त जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीमती सुषमा वर्मा एवं छात्रावास अधीक्षक श्री संतोष कुमार कनौजिया को निलंबित किया गया है। उप निदेशक समाज कल्याण, अयोध्या मंडल एवं अधिशासी अभियंता, यूपीसीडीको को गहन जांच कर आज शाम तक प्रारंभिक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री ने यह भी साफ किया कि छात्रावासों के लिए आगामी दिनों में 10 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी, लेकिन पिछली दी गई राशि का हिसाब लिया जाएगा और जो गड़बड़ी हुई है उसकी वसूली भी तय मानी जाए। फिलहाल जांच की जिम्मेदारी समाज कल्याण विभाग अयोध्या के डिप्टी डायरेक्टर को सौंपी गई है।

गिफ्ट सेन्टर का हुआ उद्घाटन

आर्यावर्त संवाददाता

निघासन-खीरी। नगर पंचायत निघासन में धनंजय कॉस्मेटिक एंड गिफ्ट सेंटर का उद्घाटन बड़े ही धूमधाम से किया गया। ज्येष्ठ माह के द्वितीय मंगलवार को सुंदरकांड पाठ के साथ निघासन व्यापार मंडल के अध्यक्ष आनंद चतुर्वेदी द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन के बाद आने-जाने वाले राहगीरों को शरबत का वितरण व जलपान कराया गया। धनंजय कॉस्मेटिक एंड गिफ्ट सेंटर के प्रो. धनंजय विश्वकर्मा ने बताया है कि हमारे यहां शॉप पर हर प्रकार के गिफ्ट ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर्स, चूड़ियां, खिलौने, व फैंसी सामान उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं।

इस कार्यक्रम में व्यापार मंडल के महामंत्री नौशाद हुसैन बलदेव सिंह संजय गुप्ता उमेश शुक्ला आशीष गुप्ता, श्री राम वर्मा आत्म प्रकाश विश्वकर्मा , कनिष्ठ सहायक लोक निर्माण विभाग लखीमपुर से आए रवि शर्मा,वीरेंद्र कुमार सतीश शैलेश गौरव कृष्णा अंचल मौर्य सहित नगर के स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

गए थे भिखारी बच्चों को रेस्क्यू करने, बच्चा चोर बताकर लोगों ने कर दी पिटाई, हैरान कर देगी ये कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भिखारियों को रेस्क्यू करने पहुंची टीम पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। एक अफसर को नट समाज के लोगों ने लाठी से पीटा तो दूसरी महिला अफसर के साथ गाली गलौज करने के साथ ही दांत से काटा गया है। नौबत यहां तक आ गई कि प्रशासनिक टीम को बड़ी मुश्किल से जान बचाकर भागना पड़ा। मामला लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में बंग्ला बाजार का है।

आरोप है कि नट समाज के लोगों ने बच्चा चोर बताकर टीम पर हमला किया है। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक डीएम लखनऊ के आदेश पर पुलिस और प्रशासन की एक संयुक्त टीम सोमवार को बंग्ला

बाजार पहुंची थी। यहां पकरी पुल पर कुछ बच्चे और महिलाएं भीख मांग रहे थे। इस टीम ने भीख मांग रहे बच्चों को रेस्क्यू किया ही था कि नट समाज के लोगों ने बच्चा चोर का शोर मचाते हुए टीम पर हमला कर दिया।

दो कर्मचारी घायल

इस घटना में प्रशासनिक अधिकारियों के में एक कर्मचारी सूर्यकम चौरसिया को गंभीर चोटें आई हैं। वहीं एक महिला कर्मचारी कंचन भी घायल हुई है। इस घटना के संबंध में आशियाना थाना पुलिस ने तीन अलग अलग मुकदमे दर्ज किए हैं। आरोपियों में आरती, अवध राम के अलावा पीली पगड़ी वाले एक स्थानीय नेता का भी नाम शामिल है। आरोप है कि रेस्क्यू अभियान के दौरान सरकारी कर्मचारियों की चप्पल से पिटाई की गई और गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई।

वात्सल्य योजना के तहत चल रहा अभियान

यह अभियान टास्क फोर्स व संरक्षण अधिकारी मिशन वात्सल्य द्वारा शुरू किया गया है। फिलहाल टीम ने पकरी पुल से रेस्क्यू किए गए 5 बच्चों व महिलाओं को मेडिकल के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक इस मामले में तहरीर के आधार पर 2 नामजद समेत कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

एक लाख का इनामी ढेर, एसओ को लगी गोली...बुलेट-प्रूफ जैकेट ने बचाई जान; बदमाश पर 48 मुकदमे दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। यूपी के गोंडा में सोमवार की आधी रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से एक बदमाश ढेर हो गया। उसकी पहचान सोनू उर्फ भुरें निवासी कादीपुर, करनैलगंज के रूप में हुई। इस पर एक लाख का इनाम घोषित था।

मुठभेड़ उमरी बेगमगंज क्षेत्र के सोनौली गांव के पास हुई। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि 24 अप्रैल को उमरी के डिक्सिर गांव में चोरी के दौरान हत्या के मामले में पुलिस को सोनू की तलाश थी। सोमवार की रात उसके सोनौली गांव के पास होने की सूचना मिली। इस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर ली। पुलिस को देखकर बदमाश ने फायरिंग शुरू कर दी।

इस दौरान एक गोली एसओ की बुलेट-प्रूफ जैकेट में लगी। इससे वह बाल-बाल बच गए। जवाबी कार्रवाई में सोनू को गोली लगी। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोनू के खिलाफ 48 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह एक लाख का इनामी था।

'मूंछ वाले समोसे' और चाय में ड्राई फ्रूट...टेस्ट का ऐसा कॉम्बो चखा है क्या?

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। वैसे तो उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्वाद का खजाना भरा पड़ा है, लेकिन एक स्वाद ऐसा भी है, जिसके लोग दीवाने हैं। वो स्वाद है- 'मूंछ वाले की दुकान के समोसे और चाय।' इस दुकान के समोसे स्वाद में खास तो होते ही हैं, साथ ही चाय में ड्राय फ्रूट मिला होता है।

सहारनपुर सदर बाज़ार रोड पर स्थित मूंछ वाले की दुकान अपने खास तरह के समोसे और चाय के लिए काफी प्रसिद्ध है। इस दुकान पर मिलने वाले गरमा गरम समोसे खाने के लिए लोगों की लाइन लगती है। समोसों के अंदर डाले जाने वाले मसालों के साथ-साथ उनमें पड़ा शुद्ध पनीर ओर काजू-बादाम स्वाद को कई गुना बढ़ा देता है।

समोसे के साथ चाय भी

लाजवाब

वहीं, समोसे के साथ मिलने वाली चाय के तो क्या ही कहने। चाय शुद्ध दूध और ड्राई फ्रूट से बनी होती है। कड़क चाय पीकर आप अपनी सारी थकान भूल जाते हैं। वही यहां मिलने वाले मलाई ओर ड्राई फ्रूट के लड्डूओं के भी लोग दीवाने हैं। इस स्वाद का मजा लेने लोग दूर-दूर से आते हैं। मूंछ वाली इस दुकान पर बनने वाली सभी चीजों को बेहद साफ सफ़ाई से बनाया जाता है। यहां पर आने वाले वाले ग्राहक कहते हैं कि हम सालों से इसी स्वाद का आंनद ले रहे हैं। स्वाद में आजतक कोई बदलाव नहीं हुआ।

क्यों नाम पड़ा मूंछ वाले समोसे?

अब आपको बताते हैं कि इसका नाम मूंछ वाले समोसे क्यों पड़ा? दरसअल, दुकान के मालिक का नाम महेंद्र था। उनकी घनी मूंछ को देखकर कुछ लोगों ने इस दुकान का नाम मूंछ के समोसे वाली दुकान रख दिया। हालांकि, महेंद्र मूंछ की तो कुछ समय पहले मौत हो चुकी है और अब ये दुकान उनके बेटे रोहित चलाते हैं। महेंद्र के बेटे रोहित का कहना है कि दुकान पर बनने वाले सामान की सारी रेसिपी उनके पापा ने उनकी मम्मी को बताई थी। मम्मी ही सारे मसाले तैयार करती है।

ये कैसा फेस मसाज? क्रीम पर थूका और करने लगा चेहरे की मालिश

आर्यावर्त संवाददाता

गाज़ियाबाद। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में थूक मसाज का मामला सामने आया है। घटना वेब सिटी थाना क्षेत्र में डासना स्थित एक सैलून की है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। यह वीडियो उसी सैलून में अपनी बारी का इंतजार कर रहे एक अन्य ग्राहक ने बनाया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी सैलून संचालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

एसीपी वेब सिटी प्रियाश्री पाल के मुताबिक वायरल वीडियो रविवार को सोशल मीडिया में अपलोड किया गया। इस वीडियो पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने आरोपी सैलून संचालक को अरेस्ट कर लिया है। उन्होंने बताया कि यह वीडियो किसी ग्राहक या फिर सैलून संचालक के सहयोगी ने रिकार्ड किया है। इस वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि एक व्यक्ति

सेविंग कराने के लिए कुर्सी पर बैठा है। सेविंग के बाद सैलून संचालक उसका फेस मसाज करता है।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

इसके लिए वह हाथ में पहले क्रीम लेता है और फिर उस क्रीम पर दो बार थूकने के बाद उसी से ग्राहक के चेहरे की मालिश करने लगता है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की यह हरकत ना केवल घिनौनी है, बल्कि संक्रामक बीमारियों के प्रसार करने वाली भी है। आरोपी की इस हरकत की वजह से ग्राहक की जान को भी खतरा हो सकता है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर उसे अरेस्ट कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर ही है।

पहले भी आ चुके हैं इस तरह के मामले

पुलिस के मुताबिक आरोपी सैलून संचालक की पहचान असलम कॉलोनी डासना में रहने वाले अरशद अली के रूप में हुई है। आरोप है कि वह पहले भी इस तरह की हरकतों को अंजाम दे चुका है। बता दें कि इससे पहले गाजियाबाद में थूक लगाकर रोटी सेंकने, खाने में थूकने आदि की कई घटना हो चुकी हैं। इन सभी मामलों में आरोपियों को अरेस्ट भी किया गया, बावजूद इसके इस तरह की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं।

कॉकटेल पार्टी के लिए परफेक्ट हैं शिमरी गाउन, ग्लैमरस लगेगा लुक

आजकल शिमरी स्टाइल आउटफिट का खूब ट्रेंड देखने को मिल रहा है . खासकर बी टाउन एक्ट्रेस शिमरी गाउन को काफी पसंद कर रही हैं। कॉकटेल पार्टी या दूसरे किसी फंक्शन के लिए ये गाउन परफेक्ट आउटफिट ऑप्शन हैं। चलिए आपको शिमरी गाउन के स्टाइलिश लुक दिखाते हैं...

बी टाउन सेलेब्स अपने नए-नए स्टाइल और लुक्स के चलते खूब वायरल रहती हैं। उनकी आउटफिट स्टाइल स्टेटमेंट बन जाती है। एक्ट्रेस के फैशन सेंस को हर कोई फॉलो करना चाहता है। सेलेब्स चाहे वर्कआउट आउटफिट कैरी करें, ट्रैवल वियर हो या मॉकटेल गाउन- उनके स्टाइल को नजरअंदाज करना मुश्किल होता है।

आजकल शिमरी आउटफिट का भी खूब ट्रेंड देखने को मिल रहा है। बॉलीवुड एक्ट्रेसेस भी शिमरी आउटफिट को कैरी कर रही हैं। अगर आप आउटिंग या फिर कॉकटेल पार्टी के लिए तैयार हो रही हैं, तो आप शिमरी गाउन को वार्डरोब को हिस्सा बना सकते हैं। आइए आपको बी टाउन सेलेब्स के कुछ स्टाइलिश शिमरी गाउन दिखाते हैं।

ब्लैक ट्रांसपेरेंट गाउन

मलाइका अरोड़ा ब्लैक ट्रांसपेरेंट गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उनके शिमरी ब्लैक गाउन में स्लिट और शीयर डिटेलिंग की गई है। पार्टी या फंक्शन के लिए उनका ये लुक कैरी किया जा सकता है। अपने लुक को खास बनाने के लिए हैवी मेकअप बेस तैयार किया है। इस लुक के साथ थोड़ा डिफरेंट ट्राई करने के लिए आप शिमरी मेकअप कर सकते हैं।

रेड सेक्विन गाउन

नोरा फतेही का रेड सेक्विन गाउन भी परफेक्ट पार्टी ऑप्शन है। कॉकटेल नाइट में थोड़ा ग्लैमर टच देने के लिए आप इसमें स्लिप-इन डिटेल्स, प्लंजिंग नेकलाइन को शामिल कर सकती हैं। लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए आप मेसी पोनीटेल, ब्लैक आईलाइनर, ब्लैक कोहल और रेड लिपस्टिक का सॉफ्ट शेड लगा सकती हैं।

सिल्वर गाउन

जान्हवी कपूर का शिमरी या मेटैलिक गाउन भी परफेक्ट आउटफिट ऑप्शन है। प्लंजिंग नेकलाइन वाला उनका गाउन ग्लैमरस लुक दे रहा है। एक्ट्रेस स्लीक पोनीटेल हेयर स्टाइल लुक कैरी किया है। अगर आप ऐसा लुक कैरी करने जा रही हैं, तो लाइट फाउंडेशन और कंसीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं।

हाई स्लिट पर्पल गाउन

कंगना रनौत का हाई स्लिट पर्पल गाउन लुक बेहद डिफरेंट नजर आ रहा है। पर्पल गाउन उनके लुक को और ज्यादा फैशनेबल और क्लासी बना रहा है। उन्होंने हल्की कंटूरिंग और चीकबोन्स पर ब्लश किया है, जिससे उनका लुक कंपलीट नजर आ रहा है। आप लुक को स्पेशल बनाने के लिए शिमरी या स्मोकी आईशैडो चुन सकती हैं।

सिर्फ हफ्ते में इतनी देर करें एक्सरसाइज, आएंगे ऐसे बदलाव कि चौंक जाएंगे आप

अगर आप किसी न किसी कारंवाश रोजाना एक्सरसाइज करने का समय नहीं निकाल पा रहे हैं तो चिंता करने वाली बात नहीं है। आप हफ्ते में सिर्फ 2 घंटे एक्सरसाइज करके भी अपने दिल को स्वस्थ रख सकते हैं। अगर आप ऐसा करना चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है।

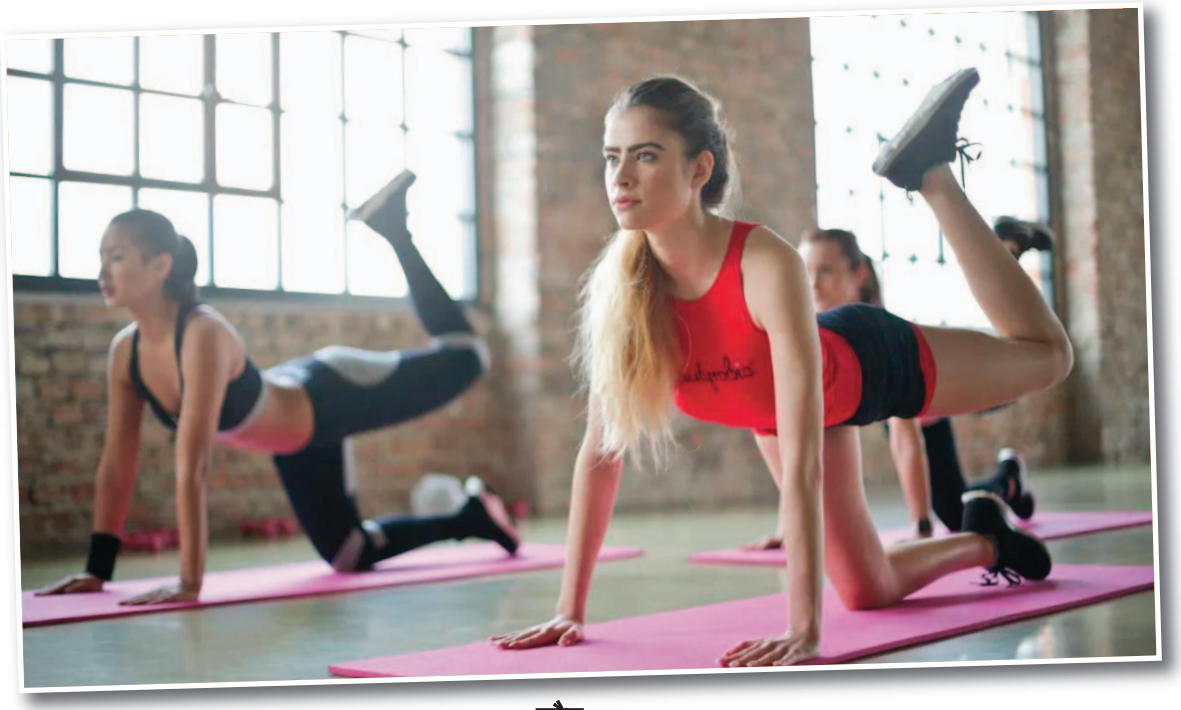

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद के लिए समय निकालना बेहद मुश्किल हो गया है। ऐसे में हम कई बीमारियों की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। बिजी लाइफस्टाइल की वजह से कई बार सही से एक्सरसाइज या वर्कआउट करने का समय भी नहीं मिलता है। यही कारण है कि बहुत से लोग हर हफ्ते वो एक्सरसाइज भी नहीं कर पाते हैं जो उन्हें रीकमेंड की गई हैं। हालांकि, सामने आये एक शोध से ये पता चलता है कि कम अमाउंट में की गई एक्सरसाइज भी आपके शरीर पर कमाल के इफेक्ट्स दिखाती है।

वैसे तो रोजाना नियमित रूप से एक्सरसाइज करना दिल के लिए काफी अच्छा होता है। रोज एक्सरसाइज करने से न सिर्फ ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रोल कम होता है, बल्कि इससे हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा भी कम हो जाता है। मगर बिजी शेड्यूल की वजह से ऐसा कर पाना मुश्किल हो जाता है। अगर आपके साथ भी समय की दिक्कत है तो कोई बात नहीं, आप थोड़ी सी एक्सरसाइज करके भी खुद को हेल्दी रख सकते हैं।

हार्ट संबंधित बीमारियों के खतरे को कर सकते हैं कम

अगर आपकी सिटींग जॉब है या आप बहुत सुस्त इंसान हैं तो चिंता करने की कोई बात नहीं है क्योंकि आप कम अमाउंट की एक्सरसाइज के साथ भी हार्ट संबंधित बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। आप हफ्ते में सिर्फ एक से दो घंटे साइकिलिंग या ब्रिस्क वॉकिंग करके दिल से संबंधित बीमारियों को 20 प्रतिशत तक कम सकते हैं। मगर जैसे आप एक्सरसाइज करने का समय बढ़ाते जाते हैं, वैसे दिल से जुड़े हेल्थ बेनेफिट्स कम होते जाते हैं या स्थिर हो जाते हैं।

कैसे देखने को मिलेंगे बेहतर नतीजे?

अगर आप बिल्कुल भी एक्सरसाइज करने वालों में से नहीं हैं और फिर आप हफ्ते में एक-दो घंटे एक्सरसाइज शुरू करते हैं तो इसके जबरदस्त नतीजे आपको देखने को मिलेंगे। जब आप एक्सरसाइज शुरू करते हैं तब दिल संबंधित बीमारियों में सबसे ज्यादा कमी दिखाई देती है। लेकिन जैसे ही एक्सरसाइज का समय बढ़ता है और ये दो से चार घंटे हो जाता है तब एक्सरसाइज से मिलने वाले लाभ भी स्थिर हो जाते हैं।

हालांकि, अगर आप एक्सरसाइज नहीं करने वालों में से हैं और एकदम से आप इसे शुरू करते हैं तो ये आपके लिए एक चुनौतीपूर्ण काम हो सकता है। लेकिन अगर आप हार्ट अटैक और हार्ट स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों से दूर रहना चाहते हैं तो हफ्ते में कम से कम एक-दो घंटे का समय निकालकर एक्सरसाइज जरूर करिए। इससे न सिर्फ आपको बेहतर महसूस होगा, बल्कि आप खुद को स्वस्थ भी रख पाएंगे।

कौन-सी एक्सरसाइज हैं कारगर

पतली कमर के लिए तेज़ वॉकिंग, जॉगिंग, साइक्लिंग और योगा जैसे आसान व्यायाम काफी फायदेमंद साबित हो सकते हैं। इन गतिविधियों से पेट की चर्बी तेजी से घटती है और मेटाबॉलिज्म भी बेहतर होता है। योगा की बात करें तो प्लैंक और ट्विस्ट जैसे आसन कमर को पतला करने में विशेष रूप से असरदार होते हैं।

वजन घटाने से ज्यादा जरूरी है कमर पर ध्यान देना

ज्यादातर लोग सिर्फ वजन घटाने पर ध्यान देते हैं, लेकिन विशेषज्ञ बताते हैं कि पेट और कमर की चर्बी को कम करना स्वास्थ्य के लिए अधिक फायदेमंद है। यह हार्ट डिजीज, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के खतरे को कम करता है। हफ्ते में कुछ घंटे एक्सरसाइज करके न सिर्फ आप फिट दिख सकते हैं, बल्कि खुद को बीमारियों से भी दूर रख सकते हैं।

सही खानपान से मिलेगी एक्सरसाइज को ताकत

एक्सरसाइज का असर तभी दिखेगा जब इसके साथ सही खानपान का पालन किया जाए। तला-भुना खाने से परहेज करना और हरी सब्जियां, फल, और प्रोटीन युक्त आहार लेना बेहद जरूरी है। पानी भरपूर मात्रा में पिएं ताकि शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलें और मांसपेशियों को मजबूती मिले।

कम समय में मिल सकते हैं बड़े फायदे

अगर आपके पास ज्यादा समय नहीं है, तब भी घबराने की जरूरत नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि हफ्ते में तीन से चार बार 30-40 मिनट तक की एक्सरसाइज से भी कमर के माप में बड़ा फर्क आ सकता है। छोटे-छोटे बदलाव बड़े नतीजे ला सकते हैं।

फिटनेस को बनाएं जीवनशैली का हिस्सा

पतली कमर पाने के लिए एक्सरसाइज को अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बनाना जरूरी है। इसे एक जिम्मेदारी की तरह न देखें, बल्कि इसे अपनी आदत बनाएं। फिटनेस के लिए किया गया यह छोटा सा प्रयास आपके शरीर और आत्मविश्वास, दोनों को मजबूत करेगा।

नतीजों के लिए रखें धैर्य

ध्यान रहे कि कमर पतली करने में थोड़ा समय लग सकता है। तुरंत परिणाम न मिलने पर हताश न हों। निरंतरता और सही तकनीक से किया गया व्यायाम निश्चित रूप से आपको मनचाहा परिणाम देगा।

महाकुंभ मेले के लिए जा रहे हैं प्रयागराज, तो वहां के ये पांच फूड्स जरूर करें ट्राई

महाकुंभ का आरंभ 13 जनवरी के होने जा रहा है . इस दौरान यहां पर लाखों की संख्या में लोगों के शामिल होने का अनुमान लगाया जा सकता है। अगर आप भी महाकुंभ के लिए प्रयागराज जा रहे हैं तो यहां के इन फेमस इन फूड्स को जरूर ट्राई कर सकते हैं।

प्रयागराज में 13 जनवरी से महाकुंभ की शुरुआत होने जा रही है. यह महाकुंभ 45 दिनों तक चलेगा और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन महाकुंभ का समापन होगा। यहां पर साधु संतों समेत लाखों की संख्या में श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए पहुंचेंगे। इस दौरान कई लोग प्रयागराज महाकुंभ पहुंचेंगे। महाकुंभ मेले का आयोजन 144 साल में एक बार होता है। ऐसे में मेले में लाखों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। इस बार भी महाकुंभ मेले का आयोजन बहुत बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

अगर आप आप भी महाकुंभ के मेले के लिए प्रयागराज जा रहे हैं तो वहां बहुत से धार्मिक स्थलों के दर्शन करने का मौका मिलेगा। साथ ही आपको शहर के फेमस फूड और डिशेज जरूर स्वाद करने चाहिए। आइए जानते है प्रयागराज के फेमस और स्वादिष्ट फूड के बारे में

कचौड़ी सब्जी

प्रयागराज जा रहे हैं तो नाश्ते में कचौड़ी सब्जी जरूर ट्राई करें। यहां की कचौड़ी बहुत ही स्वादिष्ट होती है। उड़द दाल और देसी घी से बनी कचौड़ी के साथ आलू-टमाटर की गर्मा गर्म सब्जी का स्वाद लाजवाब होता है। कटरा का नेतराम कचौड़ी सब्जी के लिए बहुत फेमस है।

गुलाबी अमरूद

सर्दी अमरूद का सीजन होता है और प्रयागराज के गुलाबी अमरूद भी बहुत प्रसिद्ध हैं। यहां आपको हर गली और मोहल्ले में फलों की दुकानों पर गुलाबी अमरूद मिल जाएंगे। ऐसे में अगर आप महाकुंभ जा रहे हैं तो यहां से प्रसिद्ध गुलाबी अमरूद का स्वाद जरूर लें।

देहाती रसगुल्ला

अगर आपको रसगुल्ला खाना पसंद है, तो आप प्रयागराज का प्रसिद्ध देहाती रसगुल्ला जरूर खाएं। प्रयागराज शहर के बैरहना में पुरानी दुकान और इसका रसगुल्ला दोनों ही देहाती रसगुल्ला के नाम से बहुत प्रसिद्ध है। यहां से रसगुल्ला बहुत ही स्वादिष्ट होता है।

चाट

प्रयागराज में स्ट्रीट फूड में चाट बहुत मशहूर है। वहां पर ठेले पर मिलने वाली पानी पुरी और चाट बहुत स्वादिष्ट होती है। आपको यहां हर गली और मोहल्ले में चाट की दुकान मिल जाएगी। लेकिन घंटाघर के पास लोकनाथ चाट वाला काफी फेमस है। यहां आपको कई तरह की चाट मिलेंगी।

दही जलेबी

जलेबी और दूध का कॉम्बिनेशन तो आप लोगों ने सुना होगा। लेकिन दही और जलेबी का कॉम्बिनेशन

प्रयागराज में काफी प्रसिद्ध है। अगर आप मीठा खाने के शौकीन है तो इस कॉम्बिनेशन को ट्राई कर सकते हैं। प्रयागराज में सिविल लाइंस, के पास स्थित हीरा हलवाई की दही और जलेबी कॉम्बिनेशन काफी फेमस है।

सरकारी योजनाओं के दम पर तेजी से बढ़ रहा देश का फार्मा सेक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का फार्मा सेक्टर बीते 10 साल में किफायती, इनोवेटिव और इन्क्लूसिव होने के साथ वैश्विक स्तर पर अपनी एक नई और मजबूत पहचान बना चुका है। इसमें जनऔषधि योजना और पीएलआई की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रही है। यह वृद्धि चालू वित्त वर्ष में भी जारी रहने की उम्मीद है। फिच ग्रुप के इंडिया रेटिंग्स के विशेषज्ञों का अनुमान है कि मजबूत मांग और नए उत्पादों के कारण अप्रैल 2025 में इस सेक्टर के राजस्व में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जाएगी।

केंद्र सरकार के पत्र सूचना कार्यालय ने रविवार को जारी एक बैकग्राउंडर में इंडिया रेटिंग्स की हाल में जारी रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि देश का दवा उद्योग वैश्विक स्तर पर मात्रा के मामले में तीसरे स्थान पर और मूल्य के मामले में 14वें स्थान पर है।

देश जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। वैश्विक आपूर्ति में इसकी हिस्सेदारी 20 प्रतिशत है। साथ ही, भारत किफायती टीकों का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

इस क्षेत्र का कारोबार पिछले पांच वर्षों से 10 प्रतिशत से अधिक वार्षिक दर से लगातार बढ़ते हुए वित्त वर्ष 2023-24 में 4,17,345 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

सरकार की स्मार्ट योजनाएं इस सफलता का आधार बनी हैं। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत 15,479 जन औषधि केंद्रों का संचालन हो रहा है। इन केंद्रों पर ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 80 प्रतिशत कम कीमत पर जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध हैं।

फार्मास्युटिकल्स के लिए 15,000 करोड़ रुपए की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत देश में ही कैंसर और मधुमेह समेत अन्य लाइफस्टाइल दवाओं के उत्पादन के लिए 55 परियोजनाओं को सरकार मदद दे रही है। इसके अलावा, 6,940 करोड़ रुपए की एक और पीएलआई योजना पेनिसिलिन जी जैसे कच्चे माल पर केंद्रित करती है, जिससे आयात की हमारी जरूरत कम होती है।

चिकित्सा उपकरणों के लिए 3,420 करोड़ रुपए की सहायता वाली पीएलआई से एमआरआई मशीनों और हार्ट ट्रांसप्लांट जैसे उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा मिल रहा है।

गुजरात, हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश में मेगा हब बनाने के लिए 3,000 करोड़ रुपए की लागत से बल्क ड्रग पार्क्स को बढ़ावा देने की योजना है, ताकि दवाओं का उत्पादन सस्ता और शीघ्र हो। फार्मास्युटिकल्स उद्योग को मजबूत करने (एसपीआई) के लिए 500 करोड़ रुपए की लागत की योजना है।

इसके अलावा, भारत का फार्मा सेक्टर यूनिसेफ के 55-60 प्रतिशत टीके की सप्लाई करता है। यह डब्ल्यूएचओ के डीपीटी (डिप्थीरिया, काली खांसी और टेटनस) वैक्सीन की 99 प्रतिशत मांग, बीसीजी की 52 प्रतिशत और खसरे की 45 प्रतिशत मांग को पूरा करता है।

बैसिलस कैलमेट-गुएरिन एक वैक्सीन है, जो मुख्य रूप से टीबी के उपचार के लिए इस्तेमाल की जाती है। विदेशी निवेशकों की बात करें तो अकेले 2023-24 में उन्होंने 12,822 करोड़ रुपए का निवेश किया, जो देश की बढ़ती क्षमता को दिखाता है।

सरकार चिकित्सा उपकरणों और ग्रीनफील्ड फार्मा परियोजनाओं में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश का स्वागत करती है, जिससे भारत वैश्विक कंपनियों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन गया है।

सुकन्या समृद्धि योजना पर सरकार का बड़ा फैसला, जनवरी-मार्च में मिलेगा इतना ब्याज

सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के भविष्य के लिए बनाई गई सरकारी योजना है। इसमें 8.2% ब्याज, टैक्स छूट और आर्थिक सुरक्षा मिलती है। खाता 21 साल में या शादी के समय बंद होता है। कम से कम 250 रुपये सालाना जमा करना जरूरी है।

सरकार देश में बच्चियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सुकन्या समृद्धि नाम की एक बचत योजना चलाती है। इसमें सरकार अच्छा ब्याज ऑफर करती है, जिसकी घोषणा वह हर तीन महीने में करती है। अब सरकार ने इस योजना के लिए जनवरी-मार्च तिमाही के ब्याज की घोषणा की है। सरकार ने साल 2015 में इसे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत शुरू किया गया।

सुकन्या समृद्धि योजना का मकसद माता-पिता को अपनी बेटियों के लिए पैसे जमा करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इससे बेटियों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करती है। सरकार ने जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक के लिए इस योजना की ब्याज दर 8.2% रखी है। यह दर पहले की तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2024) के समान है। इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

योजना की खास बातें

सुकन्या समृद्धि योजना में हर साल कम से कम 250 रुपए जमा करना जरूरी है। अगर यह रकम जमा नहीं हुई तो खाता बंद हो जाता है। इसे फिर से चालू करने के लिए 250 रुपए किस्त के और 50 रुपए जुर्माना देना पड़ता है।

एक साल में आप ज्यादा से ज्यादा 1,50,000 रुपए तक इस योजना में जमा कर सकते हैं। यह खाता 21 साल तक चलता है या बेटी की शादी के समय बंद हो जाता है। अगर बेटी 18 साल की हो जाती है, तो उसकी पढ़ाई के लिए खाते से 50% तक पैसे निकाले जा सकते हैं।

टैक्स और ब्याज का फायदा

इस योजना में 8.2% की ब्याज दर मिलती है, जो सभी छोटी बचत योजनाओं में सबसे ज्यादा है। इसमें टैक्स का बड़ा फायदा मिलता है। जमा किया गया पैसा, उस पर मिलने वाला ब्याज और खाते की परिपक्वता पर मिलने वाली राशि तीनों टैक्स-फ्री होते हैं।

खाता खोलने के लिए जरूरी कागज

सुकन्या समृद्धि खाता खोलने के लिए आपको लड़की का जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता की फोटो और पहचान-पते के कागज देने होते हैं। यह खाता 14 साल तक चालू रहता है और इसमें पैसे जमा किए जा सकते हैं। अगर किसी साल पैसे जमा नहीं किए, तो भी खाता 15 साल के अंदर फिर से चालू किया जा सकता है।

नहीं गली यूनुस की दाल, शेख हसीना के करीबी को बांग्लादेश की कोर्ट ने दे दी बड़ी राहत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने चर्चित अभिनेत्री नुसरत फारिया को अंतरिम जमानत दे दी है, जिन्हें हाल ही में हत्या की कोशिश के एक विवादित मामले में गिरफ्तार किया गया था। नुसरत फारिया वही एक्ट्रेस हैं जिन्होंने भारत-बांग्लादेश की संयुक्त फिल्म Mujib: The Making of a Nation में शेख हसीना का किरदार निभाया था। इस फिल्म का निर्देशन दिग्गज भारतीय फिल्मकार श्याम बेनेगल ने किया था। फिल्म की रिलीज के बाद से ही फारिया को शेख हसीना के करीबी चेहरों में गिना जाने लगा।

हाल के महीनों में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस पर यह आरोप लगते रहे हैं कि वे सत्ता से जुड़े विपक्षी चेहरों चाहे वो कलाकार हों, शिक्षाविद, पत्रकार या सिविल सोसाइटी के सदस्य को निशाना बना रहे हैं। इसी क्रम में नुसरत फारिया को भी कथित तौर पर टारगेट किया गया और उन्हें एक साल पुराने गोलीबारी के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि कोर्ट में पेश सबूतों के आधार पर अब उन्हें राहत मिल गई है।

कोर्ट में पेश हुए सबूत, मिली राहत

नुसरत फारिया के वकील मोहम्मद इफ्तेखार हुसैन ने बताया कि मंगलवार सुबह कोर्ट में जमानत की अर्जी दी गई थी। सुनवाई के दौरान वकीलों ने तर्क दिया कि जिस दिन की घटना का जिक्र एफआईआर में किया गया है, उस समय नुसरत देश में मौजूद ही नहीं थीं। उन्होंने कोर्ट को इस संबंध में जरूरी दस्तावेज भी सौंपे। सभी पक्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने नुसरत को जमानत दे दी।

एयरपोर्ट से गिरफ्तार हुई थीं नुसरत फारिया

रविवार सुबह जब नुसरत फारिया थाईलैंड जाने के लिए ढाका एयरपोर्ट पहुंचीं, तो इमिग्रेशन चेक पोस्ट पर उन्हें पुलिस ने रोक लिया। इसके बाद उन्हें ढाका मेट्रोपॉलिटन डिटेक्टिव ब्रांच (DB) के ऑफिस ले जाकर पूछताछ की गई और फिर सोमवार को कोर्ट ने उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया था।

क्या है पूरा मामला?

पिछले साल 19 जुलाई को ढाका के भाटारा इलाके में छात्रों और आम नागरिकों ने एक विरोध प्रदर्शन किया था। इसी दौरान हुई गोलीबारी में 35 वर्षीय एनामुल हक घायल हो गए थे, इसके बाद 3 मई को एनामुल ने कोर्ट में 283 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें 17 फिल्मी हस्तियों के नाम भी शामिल थे, नुसरत फारिया का नाम भी इसी लिस्ट में है। 3 मई को कोर्ट ने इस शिकायत को केस में बदलने का आदेश दिया था। करीब दो हफ्ते बाद नुसरत को गिरफ्तार किया गया।

किसी कीमत पर शेख हसीना को छोड़ने के मूड में नहीं बांग्लादेश की नई सरकार, 2 नए केस में फंसाया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को राहत की सांस लेने का मौका ही नहीं मिल रहा है। एक के बाद एक बांग्लादेश की नई सरकार हसीना पर मुश्किलों को बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। अब हसीना पर देश में 2 नए केस दर्ज कर लिए गए हैं। हालांकि, इससे पहले हसीना की पार्टी पर आसमान तब टूटा था जब देश की अंतरिम सरकार ने पार्टी को आधिकारिक रूप से बैन कर दिया था और इसी के साथ उनको चुनाव लड़ने से भी कोसों दूर कर दिया है।

शेख हसीना पर दर्ज किए गए केस उस समय से जुड़े हैं जब देश में छात्र आंदोलन छिड़ गया था और हिंसक हो गया था। इसी दौरान एक शख्स की गोली लग कर मौत हो गई थी और अब इसी शख्स की मां ने शेख हसीना और अवामी लीग के बाकी नेताओं पर केस दर्ज कराया है।

किस मामले में केस दर्ज

पिछले साल जिस समय छात्र आंदोलन छिड़ा था तभी 20 जुलाई को नारायणगंज के शिमराइल इलाके में छात्र विरोध प्रदर्शन के दौरान जूता फैक्ट्री में काम करने वाले सजल मियां (20) की गोली लगने से मौत हो गई थी। इसी को लेकर अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ-साथ 61 अवामी लीग नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दायर किया गया है। आरोपियों में पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल, एएल महासचिव ओबैदुल कादर, नारायणगंज नगर निगम की पूर्व मेयर सेलिना हयात आइवी, पूर्व विधायक शमीम उस्मान और नजरूल इस्लाम बाबू, शमीम के बेटे इम्तिनान उस्मान अयोन और भतीजे अजमेरी उस्मान शामिल हैं। ऑफिसर इन-चार्ज शाहीनूर आलम ने कहा, यह केस पीड़ित सेजल की मां रूना बेगम ने शुक्रवार रात को नारायणगंज के सिद्धिरगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज कराया था।

कैसे हुई मौत

जानकारी के मुताबिक, सजल की मौत प्रोटेस्ट के दौरान हुई थी। पिछले साल 20 जुलाई को भेदभाव विरोधी आंदोलन में सजल शामिल हुए थे, तभी एक अवामी लीग के शख्स ने ढाका-चट्टोग्राम हाईवे पर डच-बांग्ला बैंक क्षेत्र के पास छात्रों पर कथित तौर पर गोलियां चलाईं। इसी अंधाधुंध गोलीबारी के दौरान सजल को पेट में गोली लगी थी, गोली लगने के फौरन बाद उसको अस्पताल ले जाया गया था लेकिन उस ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि अवामी लीग के डायरेक्शन पर अटैक किया गया था, जिसमें शेख हसीना और बाकी शीर्ष नेताओं के शामिल होने तक का दावा किया गया है।

आंख खोलकर देख लें पाकिस्तानी, बलूच लड़ाके ऐसे बनाते हैं PAK सैनिकों की हत्या का प्लान

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी सैनिकों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन का एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में बलूच लड़ाके पाक सैनिकों को मारने के लिए आईईडी ब्लास्ट को सेट कर रहे हैं। वीडियो में 2 बलूच लड़ाके सबसे पहले आईईडी बम को सेट करने के लिए तैयार कर रहे हैं।

सेट करने के बाद उस बम को जमीन के नीचे रखा जाता है। बलूच लड़ाकों ने इस ऑपरेशन का नाम हरोफ-2.0 रखा है। बलूच लड़ाकों का कहना है कि इस ऑपरेशन के जरिए पाकिस्तानी सैनिकों को सबक सिखाया जा रहा है। बलूच लिबरेशन आर्मी हर दिन 2-3 हमले कर रही है। यह हमला सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है। बलूच लिबरेशन आर्मी का कहना है कि जब तक पाकिस्तान की सरकार ज्यादती करती रहेगी, तब तक उस पर हमला होता रहेगा। हमले के लिए बलूच लड़ाके अफगानिस्तान से आए हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। दरअसल, अमेरिका के जाने के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी हथियार छूट गए थे, जो तालिबान के जरिए बलूच लड़ाकों के हाथों में आ गए।

आईईडी से ज्यादातर अटैक

पाकिस्तान सैनिकों के जुल्म को खत्म करने के लिए बलूच लड़ाके आईईडी ब्लास्ट से ज्यादार अटैक कर रहे हैं। आईईडी ब्लास्ट के जरिए पिछले एक महीने में पाकिस्तान के 20 सैनिक मारे जा चुके हैं। इस पूरे साल में पाकिस्तान की सेना ने 80 से ज्यादा जवान अब तक खो दिए हैं।

बलूच लड़ाकों ने खुलकर पाक सेना के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। ब्लास्ट के तुरंत बाद लड़ाके वीडियो जारी कर रहे हैं, जिससे पाकिस्तानी सेना की औकात दिखाई जा सके।

बलूच लड़ाकों का कहना है कि आजादी तक यह लड़ाई जारी रहेगी। बलूचिस्तान 1948 में पाकिस्तान का हिस्सा बन गया, तब से यहां पर विरोध जारी है। साल 2000 के बाद यहां पर आजादी की लड़ाई तेज हो गई। वर्तमान में बलूच लिबरेशन आर्मी और बलूच लिबरेशन फोर्स जैसे संगठन पाकिस्तान की सेना के नाक में दम कर रखा है।

तुर्की के बुरे दिन चालू! भारत से पंगा लेने के बाद अब नाटो सदस्य देश से मोल रहा दुश्मनी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। तुर्की इस समय सुर्खियों में बना हुआ है, भारत से पंगा लेने के बाद देश नाटो के ही सदस्य ग्रीक से पंगा ले रहा है और इतिहास को लेकर दोनों देश भिड़ गए हैं। दोनों देश एक दूसरे पर वार-पलटवार कर रहे हैं। दरअसल, तुर्की औग ग्रीक के बीच साल 1919 में एक युद्ध हुआ था। इस युद्ध की ग्रीक ने एनिवर्सरी मनाई और इस युद्ध में मारे गए पोंटिक ग्रीक को याद करते हुए तुर्की पर अत्याचार के आरोप लगाए। इसी के बाद तुर्की की तरफ से भी रिएक्शन सामने आया है। देश ने सोमवार को "निराधार पोंटिक आरोपों" की वर्षगांठ पर ग्रीक अधिकारियों की तरफ से दिए गए बयानों की निंदा की।

तुर्की ने ग्रीस से लिया पंगा

तुर्की ने ग्रीक पर इतिहास के साथ छेड़छाड़ करने और द्विपक्षीय

संबंधों को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। इसको लेकर तुर्की के विदेश मंत्रालय ने एक लिखित बयान में कहा, हम निराधार 'पोंटिक' आरोपों की सालगिरह के बहाने ग्रीक अधिकारियों की तरफ से दिए गए बयानों की निंदा करते हैं, जो ऐतिहासिक तथ्यों से कोसों दूर है।

तुर्की ने ग्रीक की तरफ से लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही उन्हें आरोपों को "काल्पनिक" बताया। तुर्की ने कहा, इसका मकसद 19 मई, 1919 को मुस्तफा कमाल अतातुर्क के नेतृत्व में शुरू किए गए तुर्की के स्वतंत्रता संग्राम को बदनाम करना है।

तुर्की ने ग्रीक पर लगाए आरोप

तुर्की ने ग्रीस पर तंज करते हुए आरोप लगाया कि ग्रीक इतिहास को उल्टा पढ़ रहा है, इसी के साथ युद्ध को लेकर देश पर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया। जहां ग्रीक ने पोंटिक ग्रीक का जिक्र छेड़ा, वहीं तुर्की ने अनातोलिया इलाके का जिक्र किया। मंत्रालय ने कहा कि यह एक "ऐतिहासिक रियालिटी" है कि ग्रीक सेना ने "अनातोलिया में अत्याचार" किए। मंत्रालय ने जांच आयोग की एक रिपोर्ट और लॉज़ेन की संधि के अनुच्छेद 59 का हवाला दिया, जिसमें ग्रीक की तरफ से युद्ध के कानूनों का उल्लंघन किया जाना दर्ज किया गया।

मंत्रालय ने ग्रीक अधिकारियों से साथ ही कहा कि जनता को लुभाने के लिए ऐतिहासिक घटनाओं का शोषण करने की अपनी नीति को त्याग दें साथ ही ग्रीक को साल 1821 याद दिलाया और कहा कि त्रिपोलित्सा नरसंहार से शुरू होने वाले तुर्क और बाकी जातीय समूहों के खिलाफ किए गए क्रूर अपराधों" को याद रखें।

रिश्तों को संभालने की कोशिश

जहां एक तरफ तुर्की ने ग्रीक से पंगा लिया। वहीं, रिश्तों को संभालने की कोशिश भी की।तुर्की की तरफ से जारी बयान में आखिर में कहा गया, ऐसी पहल जो इतिहास की दुश्मनी को फिर से उजागर करती है और हमारे देशों के बीच संबंधों को नुकसान पहुंचाने का मकसद रखती है, जो हाल के सालों में एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। ऐसी पहल को समाप्त किया जाना चाहिए।

ग्रीक ने क्या कहा था?

दोनों देशों के बीच वार-पलटवार का सिलसिला तब शुरू हुआ जब ग्रीक के राष्ट्रपति ने 1919 में तुर्की के साथ हुए युद्ध को याद किया और तुर्की को टारगेट करते हुए उसके अत्याचारों को लेकर कमेंट किया। राष्ट्रपति कॉन्स्टेंटिनो तासौलास ने सोमवार (19 मई) को पोंटिक नरसंहार की सालगिरह मनाई।

देश के 11 राज्यों में फैला कोरोना, महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन अब तक 257 लोगों को अपनी चपेट में ले चुका है और इसका असर देश की राजधानी दिल्ली सहित 11 राज्यों तक हो चुका है। इससे स्वास्थ्य एजेंसियां एक बार फिर सक्रिय हो गई हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना के नए स्ट्रेन की अब तक की संक्रामकता से यह संभावना दिखाई दे रही है कि यह कोविड 19 के पहले और दूसरे म्यूटेशन की तरह बहुत संक्रामक नहीं हो सकता है। फिर भी अन्य बीमारियों से जूझ रहे लोगों पर इसका नकारात्मक असर दिखाई दे सकता है। अन्य बीमारियों सेजूझ रहे लोगों को सतर्क रहना चाहिए और कोई भी लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सकों से परामर्श करना चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड डैशबोर्ड पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस समय (20 मई) तक देश में कोरोना के 257 सक्रिय मामले हैं। इसमें 164 मामले नए दर्ज किए गए हैं। मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल में दो लोगों की मौत भी हो चुकी है, हालांकि इन मौतों के पीछे अन्य कारण बताए गए हैं। मृतकों में 59 वर्षीय एक व्यक्ति कैंसर से पीड़ित था, जबकि दूसरी मृतक एक 14 वर्षीय किशोरी थी जिसको भी अन्य परेशानियां थीं। इस समय सबसे ज्यादा कोरोना के मामले केरल में दर्ज किए गए हैं जहां सक्रिय मरीजों की संख्या 95 तक पहुंच चुकी है। इसमें 69 केस नए हैं। दूसरे नंबर पर तमिलनाडु है जहां इस समय कुल 66 सक्रिय केस हैं। इसमें 34 मामले नए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र का नंबर आता है जहां कुल सक्रिय मरीज 56 हैं जिसमें 44 मामले नए दर्ज किए गए हैं। नए मामलों में महाराष्ट्र तमिलनाडु से आगे है।

गुजरात में कोरोना के सात मामले सक्रिय हैं जिसमें छः मामले नए दर्ज किए गए हैं। पुडुचेरी में कोरोना के मामलों में कमी आई है। यहां इस समय 10 सक्रिय केस हैं, जबकि तीन मरीजों को पूरी तरह स्वस्थ घोषित कर दिया गया है। हरियाणा में भी कोरोना का एक नया मामला पाया गया है। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना के पांच मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें तीन मामले नए हैं।

कुछ एशियाई देशों में कोरोना के मामलों में लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए केंद्र सरकार ने 12 मई से कोरोना मरीजों के आंकड़े दोबारा अपडेट करने शुरू कर दिए हैं।

11 राज्यों तक फैला कोरोना

केंद्रीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है। सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और आईसीएमआर के अधिकारियों की बैठक में स्थिति के सभी पहलुओं पर विचार किया गया है। अब तक दर्ज किए गए सभी केस मध्यम कैटेगरी के हैं और गंभीर कैटेगरी में कोई मरीज दर्ज नहीं किया गया है। सरकार के अनुसार, स्थिति को देखते हुए जांच और निगरानी की सक्रियता बढ़ा दी गई है और चिंता करने वाली कोई बात नहीं है।

देश के पास किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरे इंतजाम हैं। लेकिन इसके बाद भी सच्चाई यह है कि कोरोना देश के 11 राज्यों में फैल चुका है। इसमें दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, हरियाणा, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, राजस्थान और कर्नाटक शामिल हैं।

पिछली बार चीन को कोरोना फैलने की सबसे प्रमुख वजह बताया गया था। हालांकि चीन ने इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। लेकिन इस बार कोरोना अब तक सिंगापुर और हांगकांग में अपने पांव पसार चुका है। अन्य देशों तक इसके पहुंचने पर स्थिति को संभालने के लिए सक्रिय होना होगा।

कोरोना वायरस का एन्डेमिक असर संभव: डॉ. ममता त्यागी

मैक्स अस्पताल की स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. ममता त्यागी ने अमर उजाला से कहा कि किसी भी प्रकार के एपिडेमिक के एक समयांतराल के बाद उसका एंडेमिक आता है। इस दौरान वह वायरस वातावरण में मौजूद तो रहता है, लेकिन उसकी पीड़ित करने की क्षमता और संक्रामकता दर घट जाती है। चूंकि कोरोना 19 को लेकर समाज में हर्ड इम्यूनिटी विकसित हो चुकी है, इसका असर ज्यादा घातक नहीं होगा। लेकिन इसके बाद भी लोगों को सतर्कता बरतनी चाहिए।

केंद्र की सुप्रीम कोर्ट से अपील– अंतरिम आदेश के लिए सुनवाई इन तीन मुद्दों तक ही सीमित रखें

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि वे वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर कोई आंतरिम आदेश पारित करते हैं तो तीन मुद्दों तक इसे सीमित रखें। सरकार ने जिन मुद्दों पर सुनवाई सीमित रखने की अपील की है, उनमें एक मुद्दा है अदालत द्वारा घोषित, वक्फ बाय यूजर या वक्फ बाय डीड संपत्ति को डी-नोटिफाई करने का है। दूसरा मुद्दा केंद्रीय और प्रदेश वक्फ बोर्ड के गठन से जुड़ा है, जिनमें गैर मुस्लिमों को शामिल किए जाने का विरोध हो रहा है। तीसरा मुद्दा वक्फ कानून के उस प्रावधान से जुड़ा है, जिसमें जिलाधिकारी द्वारा जांच और उसकी मंजूरी के बाद ही किसी संपत्ति को वक्फ संपत्ति घोषित किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने कोर्ट में की अपील

केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ से कहा कि पूर्व की पीठ की तरह सुनवाई को सीमित रखा जाए। तुषार मेहता ने कहा कि अदालत ने तीन मुद्दों की पहचान की थी। हमने उन तीन मुद्दों पर अपना जवाब दे दिया है। अब याचिकाकर्ता लिखित सबमिशन में कई अन्य मुद्दों को उठा रहे हैं। मैंने तीन मुद्दों पर हलफनामा दाखिल कर दिया है। मेरी अपील है कि मामले की सुनवाई को इन्हीं तीन मुद्दों तक सीमित रखा जाए।

ऑपरेशन सिंदूर पर बने डेलीगेशन में शामिल हुए टीएमसी के अभिषेक बनर्जी, पहले यूसुफ पठान का आया था नाम

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्रालय ने विदेश में भारत का पक्ष रखने वाले भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले सांसदों के नामों में अब टीएमसी से अभिषेक बनर्जी के नाम पर मुहर लगा दी है। टीएमसी की तरफ से अब अभिषेक बनर्जी सर्वदलीय टीम का हिस्सा होंगे।

ऑपरेशन सिंदूर के लिए अभिषेक बनर्जी से पहले केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक के लिए विदेश जाने के लिए टीएमसी की तरफ से सांसद यूसुफ पठान का नाम चुना था, लेकिन पार्टी की तरफ से इस पर सवाल खड़े किए गए इसी के बाद अब नाम बदला गया है और अभिषेक बनर्जी पार्टी की तरफ से विदेश जाएंगे।

ममता बनर्जी ने की फोन पर बात

सूत्रों के मुताबिक, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में यूसुफ पठान की जगह टीएमसी की तरफ से अभिषेक बनर्जी जाएंगे यह फैसला किरण रिजीजू ने ममता बनर्जी से फोन पर बात किए जाने के बाद किया है। जानकारी के मुताबिक, इस मामले को लेकर ममता बनर्जी ने रिजीजू को फोन किया था और फिर उन्होंने यह फैसला लिया।

यूसुफ पठान के नाम पर सियासत

इससे पहले जब केंद्र की तरफ से यूसुफ पठान के नाम का ऐलान किया गया था तब सीएम ममता बनर्जी ने यह बात साफ कर दी थी कि प्रतिनिधिमंडल में पार्टी की तरफ से कौन शामिल होगा, इसके लिए नाम जानने के लिए पार्टी से नहीं पूछा गया। उन्होंने केंद्र सरकार को लेकर कहा, वो अपने आप सदस्य का नाम तय नहीं कर सकते। यह उनकी पसंद नहीं है, पार्टी फैसला करेगी।

इसी के साथ जिस समय यूसुफ पठान का नाम सामने आया तभी अभिषेक बनर्जी का भी बयान सामने आया था। उन्होंने कहा था, केंद्र को विपक्ष के साथ चर्चा करके यह तय करना चाहिए था कि कौन सा प्रतिनिधि भेजना है। बनर्जी ने कहा, "केंद्र सरकार तृणमूल के प्रतिनिधि का फैसला कैसे कर सकती है? उन्हें यह तय करने के लिए विपक्ष के साथ चर्चा करनी चाहिए थी कि कोई पार्टी कौन सा प्रतिनिधि भेजेगी।

हालांकि, सूत्रों के मुताबिक यूसुफ पठान से पहले केंद्र सरकार ने सुदीप बंद्योपाध्याय का नाम पेश किया था, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उनके इनकार करने के बाद यूसुफ पठान का नाम सामने आया था।

भारतीय सेना के 'ऑपरेशन खुकरी' पर फिल्म बनाएंगे रणदीप हुड्डा, मेजर जनरल पुनिया का निभाएंगे रोल

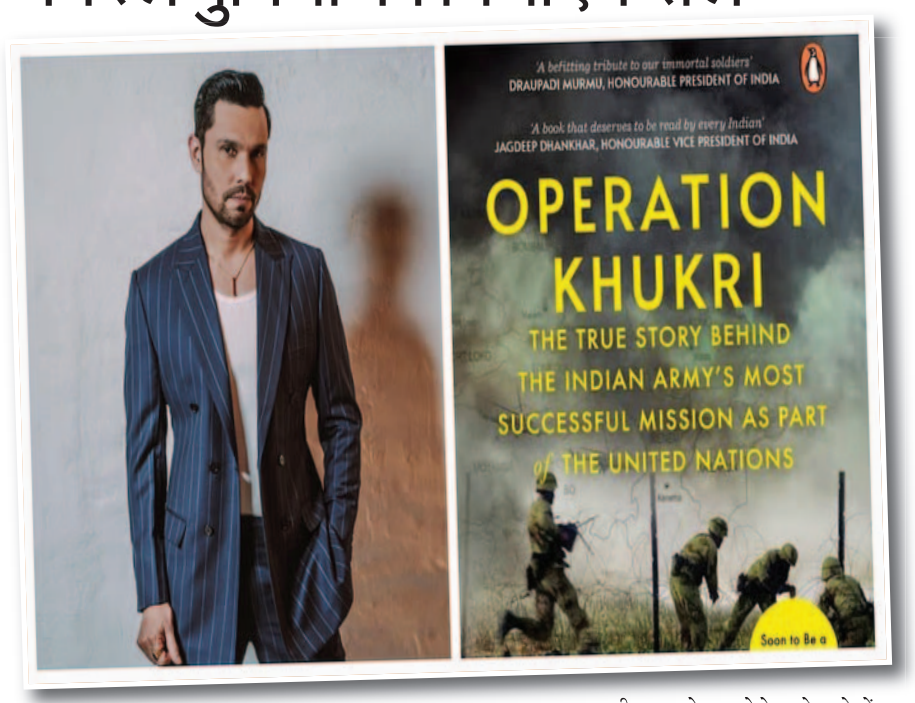

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा एक बार फिर बड़े पर्दे पर एक जबरदस्त किरदार में नजर आने वाले हैं। 'जाट' जैसी सुपरहिट फिल्म की सफलता के बाद अब रणदीप अपनी अगली फिल्म में भारतीय सेना के सबसे साहसिक मिशन्स में से एक को जीवंत करने जा रहे हैं। एक्टर की आने वाली फिल्म का नाम है 'ऑपरेशन खुकरी', जो कि एक रियल लाइफ वॉर ड्रामा है।

क्या है फिल्म का सब्जेक्ट?

यह फिल्म साल 2000 में सिएरा लियोन यानी पश्चिमी अफ्रीका के एक देश में हुए एक वास्तविक सैन्य अभियान पर आधारित है, जहां भारतीय सेना के 233 जवानों को विद्रोही बलों ने बंधक बना लिया था। यह मिशन भारतीय सेना द्वारा अब तक किए गए सबसे खतरनाक और साहसिक अभियानों में से एक माना जाता है। फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे, जो उस वक्त 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री के कंपनी कमांडर थे और इस मिशन की अगुवाई कर रहे थे।

'ऑपरेशन खुकरी' की कहानी

'ऑपरेशन खुकरी' की कहानी एक बेस्टसेलर किताब पर आधारित है, जिसे पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने प्रकाशित किया है। इस किताब के फिल्मी अधिकार अब ऑफिशियली राहुल मित्रा फिल्म्स और रणदीप हुड्डा फिल्म्स ने हासिल कर लिए हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम जोरों पर है और इसे बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा। फिल्म की टीम का मानना है कि 'ऑपरेशन खुकरी' न सिर्फ एक थ्रिलिंग एक्शन फिल्म होगी, बल्कि यह भारतीय सेना की वीरगाथा को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने का एक जरिया बनेगी।

प्रोजेक्ट पर क्या बोले रणदीप?

रणदीप हुड्डा ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए कहा कि यह कहानी सिर्फ हथियारों और युद्ध की नहीं, बल्कि वीरता, बलिदान और भाइचारे की है। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं ऐसे योद्धा की भूमिका निभा रहा हूं, जिसने 75 दिन तक दुश्मन के बीच फंसे जवानों को न सिर्फ जिंदा निकाला बल्कि भारत के सैन्य इतिहास में एक सुनहरा अध्याय जोड़ दिया।

नैंसी त्यागी के कान लुक को लेकर नेहा भसीन ने लगाए आरोप, ड्रेस कॉपी करने का किया दावा

इस बार कान फिल्म फेस्टिवल में जहां ग्लैमर और ग्लोरी का जलवा देखने को मिला, वहीं दिल्ली की नैंसी त्यागी ने भी एक बार फिर अपने लुक से दिल जीत लिया। हालांकि अब नैंसी की ड्रेस को लेकर एक बड़ा विवाद भी सुर्खियों में आ गया है।

सोशल मीडिया की मशहूर इंफ्लुएंसर और फैशन डिजाइनर के तौर पर पहचान बनाने वाली नैन्सी त्यागी अब एक नए विवाद में फंसती नजर आ रही हैं। सिंगर नेहा भसीन ने नैन्सी पर उनके आउटफिट की नकल करने का गंभीर आरोप लगाया है, जिसके बाद फैशन और सोशल मीडिया की दुनिया में बहस तेज हो गई है।

नेहा भसीन ने उठाए सवाल

सिंगर नेहा भसीन ने 18 मई को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए दावा किया कि नैन्सी त्यागी का रेड कार्पेट लुक काफी हद तक उनकी पहनी हुई ड्रेस से मेल खाता है। उन्होंने पहले पोस्ट में लिखा कि यह लुक कुछ जाना-पहचाना लग रहा है और फिर एक दूसरी स्टोरी में उसी आउटफिट में अपनी तस्वीर शेयर करते हुए 'सेम सेम' लिखकर साफ इशारा किया कि नैन्सी ने उनका स्टाइल कॉपी किया है।

खुद से बनाने का दावा निकला झूठ?

नैन्सी त्यागी ने अपने इंस्टाग्राम पर दावा किया था कि उन्होंने अपनी कान की ड्रेस खुद तैयार की है और यह उनकी मां के प्रति श्रद्धांजलि है। लेकिन अब इस दावे पर सवाल उठ रहे हैं। बांद्रा के एक बुटीक की ओर से दावा किया गया कि यह ड्रेस उन्होंने नैन्सी को 25,000 में बेची थी। बुटीक की मालकिन ने बताया कि नैन्सी ने शायद उस ड्रेस में एक केप जोड़कर उसे अलग लुक देने की कोशिश की हो, लेकिन मूल ड्रेस उन्हीं की डिजाइन थी और नैन्सी ने इसे खरीदा था, न कि खुद सिलाई की थी।

नैन्सी की इमेज पर पड़ेगा असर

नैन्सी त्यागी को उनके फैशन स्टाइल और खुद से ड्रेस सिलने की कला के लिए जाना जाता है। उनके कई ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो लाखों लोगों द्वारा देखे और सराहे गए हैं। ऐसे में इस विवाद के बाद उनके ब्रांड और फॉलोअर्स के बीच उनकी छवि को बड़ा झटका दे सकता है। हालांकि अभी तक नैन्सी की ओर से इस पूरे मामले पर कोई सफाई नहीं दी गई है।

फैंस हुए दो गुटों में बंटे

इस पूरे विवाद के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कुछ लोग नैन्सी को उनके स्टाइल और ड्रेस को रीस्टाइल करने के लिए क्रिएटिव बता रहे हैं, वहीं कई यूजर्स उन्हें झूठ फैलाने और दूसरों की मेहनत को चुराने का दोषी ठहरा रहे हैं। कुछ का कहना है कि भले ही ड्रेस खरीदी गई हो, लेकिन नैन्सी ने उसे नए अंदाज में पेश किया, जबकि दूसरों का कहना है कि ऐसा करके उन्होंने अपने फैंस को धोखा दिया है।

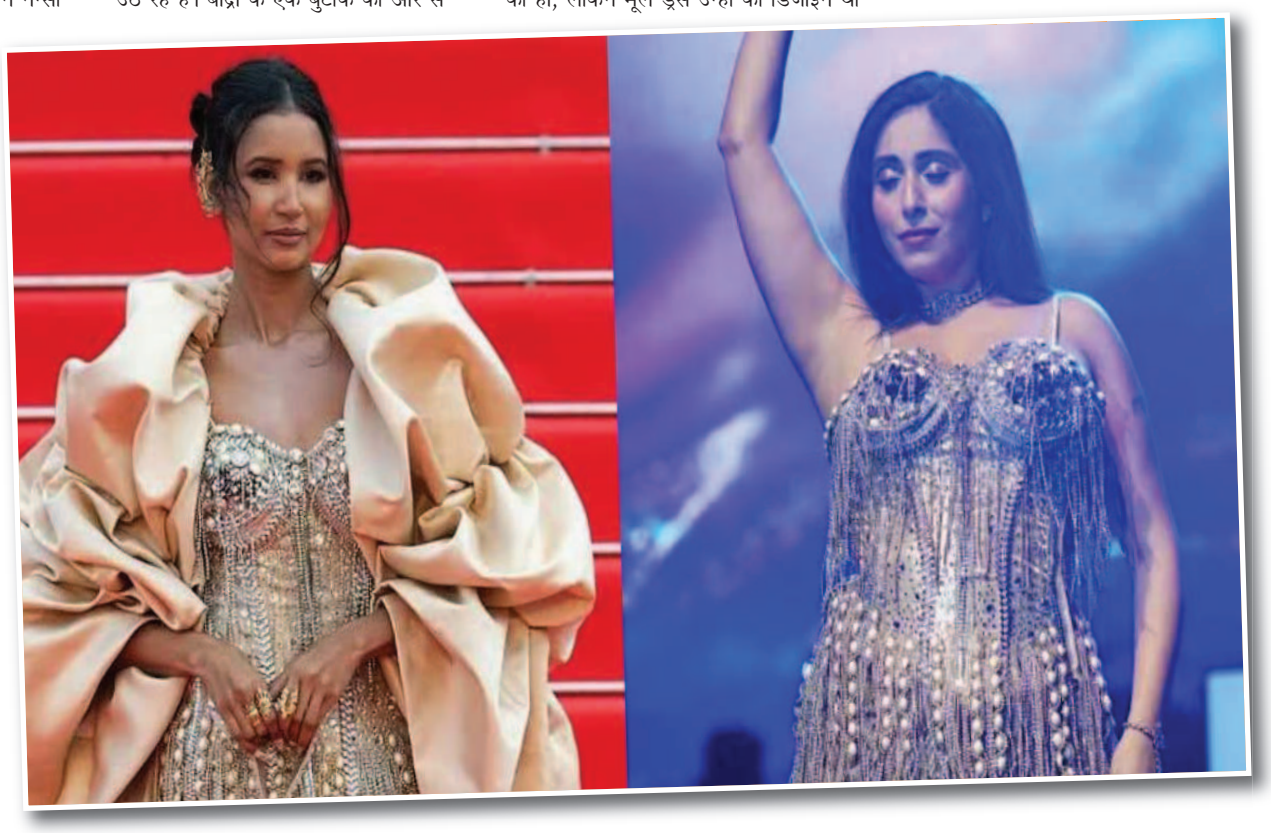

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com